कुरिन्थियों के नाम प्रेरित पौलुस के पहिली पत्री

1 1हमनी के भाई सोस्थिनिस के साथ, पौलुस के ओर
से जेकरा के परमेश्वर, आपन इच्छा के मुताबिक, यीशु
मसीह के प्रेरित बने खातिर, चुनलन।
2कुरिन्थुस में मौजूद परमेश्वर के, ओह कलीसिया के
नाम; जे यीशु मसीह में पवित्र कइल गइलन, जिनका के
परमेश्वर, पवित्र लोग बने खातिर, उनके में चुनले बाड़न। जे,
हर कहीं, हमनी के, अउर उनकर प्रभु, यीशु मसीह के नाम
पुकारत रहेलन।
3हमनी के परम पिता के ओर से, अउर हमनी के प्रभु यीशु
मसीह के ओर से, तहनी सब के, उनकर अनुग्रह अउर शांति
हासिल होखे।

पौलुस के, परमेश्वर के धन्यवाद

4तहरा के, प्रभु यीशु में, जवन अनुग्रह दिहल गइल बा,
ओकरा खातिर हम तहरा ओर से, परमेश्वर के हमेशा
धन्यवाद करत बानी। 5यीशु मसीह में तहार स्थिति के
कारण, तहरा के हर तरह से, माने कि पूर्ण वाणी, अउर पूर्ण
ज्ञान से, संपन्न कइल गइल बा 6मसीह के बारे में हमनी के
जवन गवाही दिहले बानी जा, उ तहरा बीच में साबित भइल
बीया। 7अउर एही के नतीजा बा, कि तहरा पास, उनकर
कवनो पुरस्कार के कमी नइखे। तू हमनी के, प्रभु यीशु मसीह
के परगट होखे के, इंतजार करत रहेलऽ। 8उ तहरा के, अन्त
तक, हमनी के प्रभु यीशु मसीह के दिन, एकदम बिना दाग
के, शुद्ध बनवले राखी। 9परमेश्वर विश्वासपूर्ण हवन। उनके
जरिए, तहरा के हमनी के प्रभु, अउर उनकर पुत्र यीशु मसीह
के सत् संगति खातिर, चुनल गइल बा।

कुरिन्थुस के कलीसिया के कठिनाई

10हे भाई लोग, हमनी के, प्रभु यीशु मसीह के नाम में, हमार
तहरा से इहे प्रार्थना बा, कि तहरा में कवनो मतभेद मति
होखे। तू लोग सब, एक साथ जुटल रहऽ, अउर तहनी लोग
के सोच-बिचार, अउर मंजिल एक ही होखे।
11हमरा खलोए के घराना के लोगन से, पता चलल बा,
कि तहनी लोगन के बीच, आपसी झगड़ा बा। 12हम ई कह
रहल बानी, कि तहनी लोग में से केहू कहत बा, "हम पौलुस
के बानी" तऽ केहू कहत बा, "हम अपुल्लोस के बानी।"
केहू के बिचार बा, "उ पतरस के हऽ" तऽ केहू कहत बा,
"उ मसीह के बा।" 13का मसीह बंट गइल बाड़न? पौलुस
तऽ तहरा खातिर क्रूस पर ना चढ़ल रहलन। का उ चढ़ल
रहलन? तहरा के पौलुस के नाम के बपतिस्मा तऽ नइखे
दिहल गइल। बतावऽ का दिहल गइल रहे? 14परमेश्वर के
धन्यवाद बा कि, हम तहनी लोग में से, क्रिसपुस अउर गयुस
के छोड़ के, केहू अउर के बपतिस्मा ना दिहनी। 15जवना से
कि, केहू भी ई ना कह सके, कि तहनी लोगन के, हमरा नाम
के बपतिस्मा दिहल गइल बा। 16(हम, स्तिफनुस के परिवार
के भी, बपतिस्मा दिहले रहनी, बाकी जहाँ तक बाकी लोग
के बात बा, तऽ हमरा याद नइखे, कि हम केहू अउर के, कबो
बपतिस्मा दिहले होईं।) 17काहेंकि मसीह हमरा के बपतिस्मा
देबे खातिर ना, बल्कि वाणी के कवनो तर्क-वितर्क के बिना,
सुसमाचार के प्रचार करे खातिर, भेजले रहलन, जवना से
कि, मसीह के क्रूस, अइसही बेकार मति चल जाउ।

परमेश्वर के शक्ति अउर ज्ञान-रूप मसीह

18उ, जे भटक रहल बाड़न, उनका खातिर क्रूस के संदेश,
एगो बेवकूफी बा। बाकी जे उद्धार पा रहल बाड़न, उनका
खातिर उ परमेश्वर के शक्ति बा। 19शास्त्र में लिखल बा:

> "ज्ञानीयन के ज्ञान के, हम नष्ट कर देब; अउर सभे
> चतुर के चतुराई, हम कुंठित कर देब।"
>
> *यशायाह 29:14*

20ज्ञानी आदमी कहँवा बा? विद्वान कहँवा बाड़े? अउर
एह युग के शास्त्रार्थी कहाँ बाड़े? का परमेश्वर, सांसारिक
बुद्धिमानी के, बेवकूफी ना साबित कइलन? 21एह से
काहेंकि परमेश्वरीय ज्ञान के जरिए, ई संसार अपना बुद्धि
बल से, परमेश्वर के ना पहचान सकल, तऽ हमनी संदेश के,
कहल जाए वाला, मूर्खता के प्रचार करेनी जा।
22यहूदी लोग तऽ, चमत्कार से भरल इशारा के मांग
करेलन अउर गैर यहूदी, विवेक के खोज में बाड़न। 23बाकी
हमनी के तऽ, सिर्फ क्रूस पर चढ़ावल गइल मसीह के ही
उपदेश देबेनी जा। एगो अइसन उपदेश, जे यहूदियन खातिर
विरोध के कारण बा, अउर गैर यहूदियन खातिर बेवकूफी।
24बाकी ओकरा खातिर, जेकरा के बोला लिहल गइल बा,
फेरु चाहे उ यहूदी बाड़न, चाहे गैर यहूदी, ई उपदेश मसीह

बा, जे परमेश्वर के शक्ति बा, अउर परमेश्वर के विवेक बा।
25काहेंकि परमेश्वर के कहल गइल मूर्खता, मनुष्यन के ज्ञान
से, कहीं ज्यादा समर्थ बीया। अउर परमेश्वर के कहल गइल
कमजोरी, मनुष्य के शक्ति से, कहीं ज्यादा सक्षम बीया।
26हे भाई लोग, अब तनी सोचऽ, कि जब परमेश्वर तहरा
के बोलवले रहलन, तब तहनी लोग में से ज्यादा लोग,
ना तऽ संसारीक नजर से बुद्धिमान रहलन, अउर ना ही
शक्तिशाली। तहनी लोग में से बहुत के सामाजिक स्तर भी,
कवनो उँचा ना रहे। 27बल्कि परमेश्वर तऽ, संसार में जवन
कहल गइल बेवकूफी भरल रहे, ओकरा के चुनलन, जवना
से कि बुद्धिमान लोग, लज्जित होखसु। परमेश्वर संसार में
कमजोर के चुनलन, जवना से कि जे शक्तिशाली बाड़न,
उ लज्जित होखसु। 28परमेश्वर संसार में उनके के चुनलन,
जे नीच रहलन, जेकरा से नफरत कइल जात रहे, अउर जे
कुछउ नइखन। परमेश्वर इनका के चुनलन, जवना से कि
संसार जेकरा के कुछ समुझत बा, ओकरा के उ नष्ट कर
सकसु। 29जवना से कि परमेश्वर के सामने, कवनो आदमी
घमंड ना कर पावे। 30बाकी तू यीशु मसीह में, उनके कारण
से टिकल बाड़ऽ। उहे, परमेश्वर के बरदान के रूप में, हमनी
के बुद्धि बन गइल बाड़न। उनके जरिए, हमनी के, बिना दोष
के बतावल गइनी जा, जवना से कि परमेश्वर के समर्पित
हो सकीं जा, अउर हमनी के पाप से छुटकारा मिल पावे
31जइसन कि शास्त्र में लिखल बा: "अगर केहू के, कवनो
गर्व करे के बा, तऽ उ प्रभु में, आपन जगह के गर्व करे।"

क्रूस पर चढ़ल मसीह के विषय में संदेश

2 1हे भाई लोग, जब हम तहरा पास आइल रहनी तऽ,
परमेश्वर के रहस्य से भरल सच्चाई के, बाणी के
चतुराई, चाहे मानव बुद्धि के साथ उपदेश देत, ना आइल
रहनी 2काहेंकि, हम ई तय कर लिहले रहनी, कि तहरा
बीच में रहत, हम यीशु मसीह, अउर क्रूस पर भइल उनकर
मौत के छोड़ के, कवनो अउर बात के जानब भी ना। 3एह से
हम, दीनता के साथ, डर से पूरा तरह से काँपत, तहरा पास
अइनी। 4अउर हमार वाणी, अउर हमार संदेश, मानव बुद्धि
के ललचावे वाला शब्द से जुड़ल ना रहे, बल्कि ओकरा में
रहे आत्मा के शक्ति के सबूत 5जवना से कि तहार विश्वास,
मानव बुद्धि के बदले, परमेश्वर के शक्ति पर टिके।

परमेश्वर के ज्ञान

6जे समझदार बाड़न, उनका के हमनी के, बुद्धि देत बानी
जा, बाकी ई बुद्धि, एह युग के बुद्धि ना हऽ, ना ही एह युग
के ओह शासकन के बुद्धि हऽ, जिनका के विनाश के कगार
पर, ले आवल जा रहल बा। 7एकरा जगह पर हमनी के,
परमेश्वर के ओह रहस्य से भरल विवेक के देबेनी जा, जवन
कि छिपल रहे, अउर जेकरा के अनादि काल से, परमेश्वर
हमनी के महिमा खातिर तय कइले रहलन। 8अउर जेकरा
के एह युग के कवनो शासक ना समुझल, काहेंकि अगर उ
सब, ओकरा के समुझ पवले रहितन, तऽ उ ओह महिमावान
प्रभु के, क्रूस पर ना चढ़इतन। 9बाकी शास्त्र में लिखल बा:

> "जिनका के, आँख ना देखलीसऽ अउर कान
> ना सुनलेसऽ; जहाँ मनुष्य के बुद्धि तक कबो
> ना पहुँचलीसऽ, अइसन बात उनका खातिर प्रभु
> बनवलन जवन जन ओकर प्रेमी होइत।"
>
> *यशायाह 64:4*

10बाकी परमेश्वर, ओही बतियन के, आत्मा के जरिए, हमनी
खातिर परगट कइले बाड़न।

आत्मा हरेक बात के खोज निकालेले, इहाँ तक कि,
परमेश्वर के छिपल गहराई तक के भी। 11अइसन के बा, जे
दोसरा मनुष्य के मन के बात जान लेवे, सिवाय ओह आदमी
के, ओह आत्मा के, जवन कि ओकरा अपना भीतर ही बीया।
एही तरह से परमेश्वर के बिचार के भी, परमेश्वर के आत्मा
के छोड़ के, अउर के जान सकत बा। 12बाकी हमनी के तऽ,
सांसारिक आत्मा ना, बल्कि उ आत्मा पवले बानी जा, जवन
कि परमेश्वर से मिलेले, जवना से कि हमनी के ओह बात
के जान सकीं जा, जवना के परमेश्वर हमनी के, खुला रूप
में दिहले बाड़न।

13ओही सब बात के, हमनी के मानव बुद्धि से बिचारल
गइल शब्द में, ना बोलेनी जा बल्कि आत्मा के बिचारल
शब्द से, आत्मा के बस्तु के वर्णन करत बोलेनी जा। 14एगो
कुदरती आदमी, परमेश्वर के आत्मा के जरिए, प्रकाशित
सच्चाई के ग्रहण ना करेला, काहेंकि ओकरा खातिर, उ
सब बात मूर्खता होखेलीसऽ, उ, ओहनी के समझ ना
पावेला, काहेंकि उ सब आत्मा के आधार पर ही, परखल
जा सकेलीसऽ। 15आध्यात्मिक मनुष्य, सब बात के न्याय
कर सकत बा, बाकी ओकर न्याय केहू नइखे कर सकत।
काहेंकि शास्त्र कहत बा:

16 "प्रभु के मन के, के जानल? उनका के, के सिखावे?"
यशायाह 40:13

बाकी हमनी के पास यीशु के मन बा।

मनुष्य के पीछे चलल सही नइखे

3 1बाकी हे भाई लोग, हम तहनी लोग से ओइसे बात ना
कर सकनी, जइसे कि आध्यात्मिक लोगन से करेनी।
हमरा के, एकरा उल्टा, तहनी लोग से ओइसे बात करे के

पड़ल, जइसे सांसारिक लोगन से कइल जाला। मतलब कि उनका से, जे अभी मसीह में बच्चा बाड़न। 2हम तहरा के पीये के दूध दिहनी, ठोस खाना नाऽ; काहेंकि तू अभी ओकरा के, खा ना सकत रहलऽ, अउर नाही तू एकरा के, आजुओ खा सकत बाड़ऽ 3काहेंकि तू अभी तक सांसारिक बाड़ऽ। का तू सांसारिक नइख? जबकि तहरा में आपसी जलन, अउर कलह मौजूद बा। अउर तू सांसारिक आदमी जइसन व्यवहार करेलऽ। 4जब तहरा में से केहू कहेला, "हम पौलुस के हईं" अउर दोसर कहेला, "हम अपुल्लोस के बानी" तऽ का तू सांसारिक आदमी के जइसन आचरण ना करेलऽ?

5अच्छा तऽ बतावऽ, अपुल्लोस का हवन, अउर पौलुस का हवन? हमनी के तऽ बस उ सेवक हईं जा, जेकरा जरिए तू विश्वास के ग्रहण कइले बाड़ऽ। हमनी में से हरेक, बस उ काम कइले बा, जवन प्रभु हमनी के संउपले रहलन। 6हम बीज बोअनी, अपुल्लोस ओकरा के सींचलन; बाकी ओकर बढ़वार तऽ परमेश्वर ही कइलन। 7एह तरह से ना तऽ उ बड़ बा, जे बोअल, अउर ना ही उ, जे ओकरा के सींचाई कइल। बल्कि बड़ तऽ परमेश्वर बाड़न, जे कि ओकरा के बढ़वलन। 8उ जे बोवेला, अउर उ जे सिंचेला, दूनो के मतलब एक ही बा। एह से हर एक, अपना कर्म के नतीजा के मुताबिक ही फल पाई। 9परमेश्वर के सेवा में, हमनी सब सहकर्मी बानी जा।

तू परमेश्वर के खेत बाड़ऽ। परमेश्वर के मंदिर बाड़ऽ। 10परमेश्वर के ओह अनुग्रह के मुताबिक, जवन हमरा के दिहल गइल रहे, हम एगो माहिर प्रमुख रचनाकार के रूप में, नींव डलनी, बाकी ओकरा पर निर्माण तऽ कवनो अउर ही करेला; बाकी हरेक के सावधानी के साथ ध्यान राखे के चाहीं, कि उ, ओकरा पर निर्माण कइसे कर रहल बा। 11काहेंकि जवन नींव डालल गइल बीया, उ खुद यीशु मसीह ही हवन, अउर ओकरा से अलग दूसर नींव, केहू डाल ही नइखे सकत। 12अगर लोग, ओह नींव पर निर्माण करत बाड़न, फेरु चाहे उ ओकरा में सोना लगावसु, चाँदी लगावसु, कीमती रतन लगावसु, लकड़ी लगावसु, फूस लगावसु, चाहे खर-पात के इस्तेमाल करसु। 13हर आदमी के कर्म, साफ साफ दिखाई दीही। काहेंकि उ दिन,[a] ओकरा के उजागर कर दीही। काहेंकि उ दिन, ज्वाला के साथ परगट होई, अउर उहे ज्वाला, हर आदमी के कर्म के परखी, कि उ कर्म कइसन बाड़ेस। 14अगर ओह नींव पर, कवनो आदमी के कर्म के रचना, टिकाउ होई 15तऽ उ ओकर फल पाई, अउर अगर केहू के कर्म, ओह ज्वाला में भस्म हो जाई, तऽ ओकरा हानि उठावे के पड़ी। बाकी तबहूँ उ, अपने ओइसहीं बच निकली, जइसे केहू, आग लागल मकान में से बच के निकल जाउ।

16का तू लोग नइखऽ जानत, कि तू लोग अपने ही परमेश्वर के मंदिर बाड़ऽ, अउर परमेश्वर के आत्मा, तहरा में बास करत बीया? 17अगर केहू परमेश्वर के मंदिर के, नुकसान पहुँचावत बा, तऽ परमेश्वर ओकरा के नष्ट कर दिहन। काहेंकि, परमेश्वर के मंदिर तऽ पवित्र बा। हँऽ, तू ही तऽ उ मंदिर हवऽ।

18अपने आप के छलऽ मत। अगर तहनी लोग में से, केहू ई सोचत बा कि, एह युग के मुताबिक उ बुद्धिमान बा, तऽ ओकरा बस कहल जाए वाला मूर्ख ही बनल रहे के चाहीं, जवना से कि उ सच में बुद्धिमान बन जाउ; 19काहेंकि परमेश्वर के नजर में, सांसारिक चतुराई मूर्खता हऽ। शास्त्र कहत बा, "परमेश्वर बुद्धिमान सब के, उनके चतुराई में फँसा देबेलन।" 20अउर फेरु, "प्रभु जानत बाड़न, कि बुद्धिमानन के बिचार सब, बेकार बाड़े सन।" 21एह से मनुष्य पर, केहू के भी गर्व ना करे के चाहीं, काहेंकि ई सब कुछ तहरे तऽ बा। 22फेरु उ चाहे पौलुस होखसु, अपुल्लोस होखसु, चाहे पतरस, चाहे संसार होखे, जीवन होखे चाहे मौत होखे, चाहे ई आज के बात होखऽ सन, चाहे आवे वाला कल के। सब कुछ तहरे तऽ बा। 23अउर तू मसीह के बाड़ऽ, अउर मसीह परमेश्वर के।

मसीह के संदेशवाहक

4 1हमनी के बारे में कवनो आदमी के, एह तरह से सोचे के चाहीं, कि हमनी के मसीह के सेवक हईं जा। परमेश्वर हमनी के, अउर रहस्य से भरल, सच सँउपले बाड़न। 2अउर फेरु जेकरा ई रहस्य के सँउपल गइल बा, उनका पर ई जिम्मेदारी भी बा, कि उ विश्वास योग्य होखसु। 3हमरा एकर तनिको चिन्ता नइखे, कि तू लोग हमार न्याय करऽ, चाहे मनुष्य के कवनो अउर अदालत। हम अपने भी, आपन न्याय ना करेनी। 4काहेंकि हमार मन साफ बा। बाकी एही कारण से, हम छूट नइखीं जात। प्रभु तऽ एक ही बाड़न, जे कि न्याय करेलन। 5एह से ठीक समय आवे के पहिले, मतलब ई कि जब तक प्रभु ना आ जासु, तब तक कवनो बात के न्याय मति करऽ। उहे अंधेरा में छिपल बात के, उजागर करिहें अउर मन के प्रेरणा के, परगट करिहें। ओह समय परमेश्वर के ओर से, हर केहू के उचित बड़ाई होई।

6हे भाई लोग, हम एह बात के अपुल्लोस पर, अउर खुद अपने पर, तहनी लोग खातिर ही लागू कइले बानी, जवना से कि तू हमनी के उदाहरण देख के, ओह बात के मति लाँघ जा, जवन कि शास्त्र में लिखल बाड़ी सऽ। जवना से कि, एगो आदमी के पक्ष ले के, अउर दूसरा के विरोध कर के, अहंकार में मति भर जा। 7के कहत बा कि, तू, केहू दोसरा से नीमन बाड़ऽ। तहरा लगे आपन अइसन का बा? जे तहरा के दिहल ना गइल बा? अउर जब तहरा के सब कुछ, केहू के जरिए दिहल गइल बा, तऽ फेरु एह रूप में घमंड कवना बात के, कि जइसे तू केहू से कुछ पवले ही ना होखऽ।

[a] ***3:13* उ दिन** उ दिन जब यीशु सब लोगन के न्याय करे खातिर अइहन।

8तू लोग सोचेलऽ कि जवना कवनो चीज के तहरा जरूरत रहे, अब उ सब कुछ तहरा पास बा। तू सोचत बाड़ऽ, कि अब तू संपन्न हो गइल बाड़ऽ। तू हमनी के बिना ही राजा बन गइल बाड़ऽ। कतना बढ़िया होइत, कि तू सच में राजा होइतऽ, कि तहरा साथ हमनी के भी, राज करतीं जा। 9काहेंकि हमार बिचार बा, कि परमेश्वर हमनी प्रेरितन के, कर्म क्षेत्र में, ओह लोगन के जइसन, सबसे अंत में जगह दिहले बाड़न, जिनका के मौत के सजा दिहल जा चुकल बीया। काहेंकि हमनी के पूरा संसार, स्वर्गदूतन, अउर लोगन के सामने तमाशा बनल बानी जा। 10हमनी के, मसीह खातिर मूर्ख बनल बानी जा, बाकी तू लोग मसीह में बहुत बुद्धिमान बाड़ऽ। हमनी के कमजोर बानी जा, बाकी तू तऽ बहुत सबल बाड़ऽ। तू इज्जतदार बाड़ऽ अउर हमनी के अपमानित। 11एह समय तक, हमनी के भूखल-पिआसल बानी जा। फाटल-पुरान चिथड़ा पहिनले बानी जा। हमनी के साथ खराब व्यवहार कइल जाला। हमनी के बेघर बानी जा। 12अपना हाथ से काम करत, हमनी के मेहनत मजूरी करेनी जा। 13गाली सुन के भी, हमनी के आशीर्वाद देबेनी जा। सतावल गइला पर, हमनी के ओकरा के सहेनी जा। जब हमनी के बदनामी हो जाले, तबहुँ हमनी के मीठा बोलेनी जा। हमनी के, अभिओ जइसे एह दुनिया के, मल-फेन अउर कूड़ा करकट बनल बानी जा।

14तहरा के लजावे खातिर ई हम नइखीं लिखत। बल्कि अपना प्यारा बच्चा के रूप में, तहनी लोग के चेतावनी दे रहल बानी। 15काहेंकि, चाहे तहरा पास मसीह में, तहार दसो हजार संरक्षक मौजूद बाड़े, बाकी तहार पिता तऽ कई गो नइखन। काहेंकि सुसमाचार के जरिए, मसीह यीशु में, हम तोहार पिता बनल बानी। 16एह से, तहरा से हमार निहोरा बा कि, हमरा पीछे चलऽ। 17हम एही से, तिमुथियुस के तहरा पास भेजले बानी। उ प्रभु में रहेवाला, हमार प्रिय अउर विश्वास करे लाएक बेटा हऽ। यीशु मसीह में, हमार आचरण के, उ, तहनी लोग के याद दिलाई। जेकर हम हर जगह, हर कलीसिया में उपदेश दिहले बानी।

18कुछ लोग अंधेरा में, एह तरह से फूल उठल बाड़न, जइसे अब हमरा, तहरा पास, कभी आवे के ना होखे। 19अइसने होखे, अगर परमेश्वर चाहिहें तऽ जल्दी ही हम तहरा पास आइब, अउर फेरु अहंकार में फूलल ओह लोगन के, सिर्फ बोली के ही ना, उनकर ताकत के भी देख लेब। 20काहेंकि, परमेश्वर के राज बोली पर ना, शक्ति पर टिकल बा। 21तू का चाहत बाड़ऽ: हाथ में छड़ी थाम के हम तहरा पास आईं, कि प्रेम अउर कोमल आत्मा साथ में ले आईं?

कलीसिया में दुराचार

5 1सच में, अइसन बतावल गइल बा, कि तहनी लोगन में दुराचार फइलल बा। अइसन दुराचार- व्यभिचार तऽ, अधर्मियन में भी ना मिलेला। जइसे केहू तऽ, आपन सौतेली महतारी के साथ भी, सहवास करत बा। 2अउर तू लोग, घमंड में फूलल बाड़ऽ। बाकी का, तहनी लोग के, एकरा खातिर दुखी ना होखे के चाहीं? जे केहू अइसन दुराचार करत बा, ओकरा के तऽ तहनी लोग के अपना बीच से, निकाल के बाहर कर दिहल चाहत रहे। 3हम ओइसे तऽ शरीर से, तहरा बीच में नइखीं, बाकी आत्मिक रूप से तऽ, ओइजे हाजिर बानी। अउर जइसे ओइजा मौजूद रहत, जे अइसन खराब काम कइले बा, ओकरा खिलाफ हम आपन ई फैसला, दे चुकल बानी 4कि जब तू हमरा साथ, हमनी के प्रभु यीशु के नाम में, हमार आत्मा, अउर हमनी के प्रभु यीशु के शक्ति के साथ, इकट्ठा होइबऽ 5तऽ अइसन आदमी के, ओकर पाप से भरल मानव स्वभाव के, नष्ट कर देबे खातिर, शैतान के संउप दिहल जाई, कि प्रभु के दिने, ओकर आत्मा के उद्धार हो सके।

6तोहार ई बड़बोलापन नीमन नइखे। तू एह कहावत के तऽ जानते बाड़ऽ कि, "थोड़ा खमीर, आटा के पूरा लोंदा के, खमीर बना देबेला।" 7पुराना खमीर से छुटकारा पावऽ, जवना से कि तू, आटा के नया लोंदा बन सकऽ। तू तऽ बिना खमीर वाली फसह के रोटी के जइसन, बाड़ऽ। हमनी के पवित्र करे खातिर, मसीह के, फसह के मेमना के रूप में, बलि चढ़ा दिहल गइल। 8एह से आवऽ, हमनी के आपन फसह पर्व, बुराई अउर बदनामी भरल पुराना खमीर के रोटी से ना, बल्कि विश्वास अउर सच्चाई से भरल बिना खमीर के रोटी से, मनाईं जा।

9अपना पिछला पत्र में हम लिखले रहनी कि तहरा, ओह लोगन से, आपना नाता ना रखे के चाहीं, जे व्यभिचारी बाड़न। 10हमार ई मतलब एकदम ना रहे, कि तू एह दुनिया के व्यभिचारी, लोभी, ठग चाहे मूर्तिपूजकन से कवनो संबंध मति रखऽ। अइसन भइला पर तऽ, तहरा एह संसार से ही निकल जाए के होई। 11बाकी हम तहरा के जवन लिखले बानी, उ ई बा, कि कवनो अइसन आदमी से नाता मति राखऽ, जे अपने आपके, मसीही बंधु कहा के भी व्यभिचारी, लालची, मूर्तिपूजक, चुगलखोर, पियक्कड़ चाहे एगो ठग बा। अइसन आदमी के साथ तऽ, भोजन भी ग्रहण मति करऽ।

12जे लोग बाहर के बाड़न, ना कि कलीसिया के, तऽ उनकर न्याय करे के, भला हमार कवन काम। का तहरा उनके ही न्याय ना करे के चाहीं, जे कलीसिया के भीतर के बाड़न? 13कलीसिया के बाहर वाला के तऽ न्याय, परमेश्वर करिहें। शास्त्र कहत बा: "तू अपना बीच से पाप के बाहर निकाल दऽ।"

आपसी विवाद के निबटारा

6 1का तहरा लोग में से केहू अइसन बाऽ, जे अपना साथी के साथ, कवनो झगड़ा होखे पर, परमेश्वर के पवित्र पुरूषन के पास ना जाके, अधर्मी लोगन के अदालत

में जाये के साहस करत होखे? 2चाहे, का तू नइखऽ जानत, कि परमेश्वर के पवित्र पुरूष ही, संसार के न्याय करिहें? अउर जब तहरे जरिए, पूरा संसार के न्याय होखे वाला बा, तऽ का आपन इ छोट-छोट बात के न्याय करेके लाएक तू नइखऽ? 3का तू नइखऽ जानत, कि हमनी के स्वर्गदूतन के भी, न्याय करब जा? फेरू एह जीवन के, एह रोज रोज के छोट-मोट बात के, तऽ कहहीं के का बा। 4अगर हरेक दिन, तहरा बीच, कवनो ना कवनो विवाद रहते बाऽ, तऽ का न्याय करेवाला के रूप में, तू अइसन आदमी के बहाल करबऽ, जेकर कलीसिया में कवनो जगह नइखे। 5हम, ई तहरा से, एह खातिर कह रहल बानी, कि तहरा कुछ लाज आवे। का हाल अतना बिगड़ चुकल बा, कि तहरा बीच कवनो अइसन बुद्धिमान आदमी हइए नइखे, जे आपन मसीही भाइयन के, आपसी झगड़ा के, सलटा सके? 6का एगो भाई, कभी अपना दूसरा भाई से, मुकदमा लड़ेला! अउर तू तऽ, अविश्वासियन के सामने, अइसन कर रहल बाड़ऽ।

7असल में तहार हार तऽ एही में हो गइल, कि तहरा बीच आपस में कानूनी मुकदमा बाढ़ेसऽ। एकरा जगह पर, तू आपस में, अन्याय ही काहें नइखऽ सह लेत? अपने आपके काहें नइखऽ लुट जाये देत । 8तू तऽ अपने ही अन्याय करत बाड़ऽ, अउर अपने ही मसीही भाइयन के लूटत बाड़ऽ!

9चाहे का तू नइखऽ जानत, कि बुरा लोग, परमेश्वर के राज के उत्तराधिकार ना पइहन? अपने आपके मूर्ख मति बनावऽ। यौनाचार करेवाला, मूर्तिपूजक, व्यभिचारी, गुदाभंजन करावे वाला, लौंडेबाज, 10लुटेरा, लालची, पियक्कड़, चुगलखोर अउर ठग परमेश्वर के राज के उत्तराधिकारी ना होइहें। 11तहरा में से कुछ अइसने रहलन। बाकी अब तहरा के धोवल अउर पवित्र कर दिहल गइल बा। तहरा के परमेश्वर के सेवा में, अर्पित कर दिहल गइल बा। प्रभु यीशु मसीह के नाम, अउर हमनी के परमेश्वर के आत्मा के जरिए, उनका के धर्मी करार कइल जा चुकल बा।

अपना शरीर के परमेश्वर के महिमा में लगावऽ

12"हम कुछ भी करे खातिर आजाद बानी।" बाकी हर कवनो बात, भलाई वाली ना होखेले। हँ! "हम सब कुछ करे खातिर आजाद बानी।" बाकी हम अपना पर केहू के भी, हावी ना होखे देब। 13कहल जाला, "भोजन पेट खातिर अउर पेट भोजन खातिर होखेला।" बाकी परमेश्वर, एह दूनो के खत्म कर दीहें। अउर हमनी के शरीर भी तऽ, यौन-अनाचार खातिर नइखे, बल्कि प्रभु के सेवा खातिर बा। अउर प्रभु, हमनी के देह के कल्याण खातिर, बाड़न। 14परमेश्वर सिर्फ प्रभु के पुनर्जीवित ना कइलन, बल्कि अपना शक्ति से उ मौत से हमनी सब के भी जिया दिहें। 15का तू नइखऽ जानत कि, तहार शरीर यीशु मसीह से जुड़ल बाड़ेसऽ? तऽ का हमरा, उनका के, जवन कि मसीह के अंग हवन सऽ, कवनो वेश्या के अंग बना देबे के चाहीं? 16एकदम ना। चाहे का तू ई नइखऽ जानत, कि जे अपने आपके, वेश्या से जोड़ेला, उ ओकरा साथ एक देह हो जाला। शास्त्र में कहल गइल बा: "काहेंकि उ दूनो एक देह हो जइहें।" 17बाकी उ, जे आपन लौ प्रभु से लगावेला, उनकर आत्मा में एकाकार हो जाला।

18यौनाचार से दूर रहऽ। दोसर सब पाप, जेकरा के एगो आदमी करेला, ओकर शरीर से बाहर होखेलन सऽ, बाकी अइसन आदमी, जे व्यभिचार करेला, उ तऽ अपना शरीर के ही खिलाफ पाप करेला। 19चाहे का तू नइखऽ जानत, कि तोहार शरीर, ओह पवित्र आत्मा के मंदिर बा, जेकरा के तू परमेश्वर से पवले बाड़ऽ, अउर जे तहरा भीतर बास करेला। अउर उ आत्मा, तोहार आपन ना हऽ, 20काहेंकि परमेश्वर, तहरा के कीमत चुका के खरीदले बाड़न। एह से अपना शरीर के जरिए, परमेश्वर के महिमा दऽ।

बिआह

7 1अब ओह बात के बारे में, जवन तू लिखले रहलऽ: नीमन तऽ ई बा कि, कवनो पुरूष कवनो अउरत के छुअवे ना करे। 2बाकी यौन अनैतिकता के घटना सब के, होखे के संभावना के कारण, हर मर्द के, आपन मेहरारू होखे के चाहीं, अउर हर अउरत के आपन पति। 3पति के चाहीं, कि पत्नी के रूप में, जवन कुछ भी अधिकार पत्नी के बनत बा, ओकरा के देउ। अउर एही तरह से, पत्नी के भी चाहीं कि पति के, जवन उचित बा, उ देउ। 4अपना शरीर पर पत्नी के कवनो हक नइखे, बल्कि ओकरा पति के बा। अउर एही तरह से, पति के भी अपना शरीर पर कवनो अधिकार नइखे, बल्कि ओकर पत्नी के बा। 5अपने आपके प्रार्थना में समर्पित करे खातिर, थोड़े समय तक, एक दूसरा से समागम ना करे के आपसी रजामंदी के छोड़ के, एक दूसरा के संभोग से खाली मत करऽ। फेरु अपना पर संयम के कमी के कारण, शैतान कहीं तहरा के परीक्षा में मति डाल देउ, एह से तू फेरु समागम कर लऽ। 6हम ई एगो छूट के रूप में कह रहल बानी, आदेश के रूप में ना। 7हम तऽ चाहत बानी कि, सब लोग हमरा जइसन होइतन। बाकी हरेक आदमी के, परमेश्वर से एगो खास वरदान मिलल बा। केहू के जीये के एगो तरीका बा, तऽ दूसरा के दोसर।

8अब हमरा, बिना बिआह वाले, अउर विधवा सब के बारे में, ई कहे के बा कि: अगर उ लोग, हमरा जइसन अकेले ही रहसु, तऽ उनका खातिर ई बढ़िया रही। 9बाकी अगर उ, अपना पर काबू ना रख पावसु, तऽ उनका बिआह कर लेबे के चाहीं; काहेंकि वासना के आग में जलत रहे से, बिआह कर लिहल नीमन बा।

10अब जे शादी शुदा बाड़न, उनका के हमार ई आदेश बा,

(हालाकि ई हमार ना, बल्कि प्रभु के आदेश बा) कि कवनो पत्नी के, आपन पति के ना छोड़े के चाहीं। 11बाकी अगर उ, ओकरा के छोड़ ही देउ, तऽ फेरु ओकरा बिना बिआह के ही रहे के चाहीं, चाहे अपना पति से, मेल मिलाप कर लेबे के चाहीं। अउर अइसहीं, पति के भी अपना पत्नी के छोड़े के ना चाहीं।

12अब बाकी लोगन से हमरा ई कहे के बा, ई हम कह रहल बानी, ना कि प्रभु, अगर कवनो मसीही भाई के, कवनो अइसन मेहरारू बीया, जवन कि एह बिचार में विश्वास नइखे राखत, अउर ओकरा साथ रहे के राजी बीया, तऽ ओकरा के त्याग ना करे के चाहीं। 13अइसहीं अगर कवनो मेहरारू के कवनो अइसन पति बा, जे पंथ के विश्वासी नइखे, बाकी ओकरा साथ रहे के राजी बा, तऽ ओह अउरत के भी, आपन पति के छोड़े के ना चाहीं। 14काहेंकि उ, अविश्वासी पति, विश्वासी पत्नी से नजदीकी संबंध के कारण, पवित्र हो जाला, अउर एही तरह से अविश्वासी मेहरारू भी, आपन विश्वासी पति के लगातार साथ रहे से पवित्र हो जाले। नाहीं तऽ तोहार संतान अपवित्र हो जाइत, बाकी अब तऽ उ पवित्र बाड़ीसन।

15तबहूँ अगर कवनो अविश्वासी, अलग भइल चाहत बा, तऽ उ अलग हो सकत बा। अइसन हालत में कवनो मसीही भाई चाहे बहिन पर कवनो बंधन लागू ना होई। परमेश्वर हमनी के शांति के साथ रहे खातिर, बुलवले बाड़न। 16हे पत्नि लोग, का तू जानत बाड़ू? हो सकत बा कि तू आपन अविश्वासी पति के बचा लऽ।

जइसन बाड़ऽ, ओइसे जीयऽ

17प्रभु जेकरा के जइसन दिहले बाड़न, अउर जेकरा के जवना रूप में चुनले बाड़न, ओकरा ओइसही जिये के चाहीं। सब कलीसियन में, हम एकरे आदेश देबेनी। 18जब केहू के, परमेश्वर के जरिए बोलावल गइल, तब अगर उ खतना के साथ रहे, तऽ ओकरा आपन खतना छिपावे के ना चाहीं। अउर केहू के अइसन हालत में बोलावल गइल जब उ बिना खतना के रहल, तऽ ओकर खतना करावे के ना चाहीं। 19खतना तऽ कुछउ ना हऽ, अउर नाही खतना ना भइल कुछउ हऽ। बल्कि परमेश्वर के आदेश के पालन, ना कइल ही सब कुछ हऽ। 20हर केहू के ओही हाल में रहे के चाहीं, जवना में ओकरा के बोलावल गइल बा। 21का तहरा के, दास के रूप में बोलावल गइल बा? तू एकर चिंता मति करऽ। बाकी अगर तू आजाद हो सकत बाड़ऽ, तऽ आगे बढ़ऽ, अउर मौका के फायदा उठावऽ। 22काहेंकि जेकरा के, प्रभु के दास के रूप में बोलावल गइल, उ तऽ प्रभु के आजाद आदमी हऽ। एही तरह से, जेकरा के आजाद आदमी के रूप में बोलावल गइल, उ मसीह के दास हऽ। 23परमेश्वर, कीमत चुका के तहरा के खरीदले बाड़न। एह से मनुष्य के दास मत बनऽ। 24हे भाई लोग, तहरा के जवना भी हाल में बोलावल गइल बा, परमेश्वर के सामने ओही हालत में रहऽ।

बिआह करे संबंधी सवालन के जवाब

25बिना बिआह वालन के संबंध में, हमरा के प्रभु के ओर से, कवनो संदेश नइखे मिलल। एही से हम प्रभु के दया हासिल कर के, विश्वास योग्य होखे के कारण, आपन राय देत बानी। 26हम सोचत बानी कि, एह मौजूदा संकट के कारण, इहे नीमन बा कि कवनो आदमी हमरे समान अकेला ही रहे। 27अगर तू विवाहित बाड़ऽ, तऽ ओकरा से मुक्ति पावे के कोशिश मति करऽ। अगर तू अउरत से मुक्त बाड़ऽ, तऽ ओकरा के खोजऽ मत। 28बाकी अगर तोहार जीवन, विवाहित बा, तऽ तू कवनो पाप नइखऽ कइले। अउर अगर कवनो कुँआर लइकी, बिआह करत बीया, तऽ कवनो पाप नइखे करत, बाकी अइसन लोग शारीरिक कष्ट उठइहें, जेकरा से हम तहरा के, बचावल चाहत बानी।

29हे भाई लोग, हम तऽ इहे कह रहल बानी, समय बहुत कम बा। एह से अब से, जेकरा पास मेहरारू बाड़ीसऽ उ अइसे रहे, जइसे कि उनका पास मेहरारू हइए नइखीसऽ। 30अउर उ जे रो रहल बाड़न, उ लोग अइसे रहसु, जइसे कि कभी दुखी ही नइखन भइल। अउर जे खुश बा, उ अइसे रहसु, जइसे प्रसन्न ही नइखन भइल। अउर उ जे चीज खरीद लेबेलन, उ अइसे रहसु, जइसे उनका पास कुछउ मति होखे। 31अउर जे सांसारिक सुख-विलास के, भोग कर रहल बाड़न, उ अइसे रहसु, जइसे उ सब चीज, उनका खातिर, कवनो महत्व नइखी सऽ राखत। काहेंकि ई संसार, अपना मौजूद रूप में नाशवान बा ।

32हम चाहत बानी, कि रउआ सब चिंता से मुक्त रहीं। एगो अविवाहित आदमी, प्रभु सम्बंधी विषय के चिंतन में, लागल रहेला, कि उ प्रभु के कइसे खुश करे। 33बाकी एगो विवाहित आदमी, सांसारिक विषय में ही लिप्त रहेला, कि उ अपना पत्नी के, कइसे प्रसन्न कर सकत बा। 34एह तरह से, ओकर व्यक्तित्व बँट जाला। अउर अइसहीं, कवनो अविवाहित अउरत, चाहे लइकी के, जेकरा बस प्रभु संबंधी विषय के ही चिन्ता रहेला। जेकरा से कि, उ अपना शरीर, अउर आपन आत्मा से पवित्र हो सके। बाकी एगो विवाहित अउरत, सांसारिक विषय भोग में, अइसन लिप्त रहेले, कि उ अपना पति के लुभावत रह सके। 35ई हम तहरा से तहार भलाई खातिर ही कह रहल बानी, तहरा पर प्रतिबंध लगावे खातिर ना। बल्कि नीमन व्यवस्था के भलाई खातिर, अउर एह खातिर भी कि, तू बिना मन के चंचलता के, प्रभु के समर्पित हो सकऽ।

36अगर केहू सोचत बा, कि उ आपन जवान हो चुकल

कुँआरी प्रिया खातिर, सही नइखे कर रहल, अउर अगर ओकर काम-भावना तेज बीया, अउर दूनो के, आगे बढ़ि के बिआह कर लेबे के जरूरत बा, तऽ जइसन उ चाहत बा, ओकरा आगे बढ़ि के, ओइसन कर लेबे के चाहीं। उ पाप नइखे करत। ओहनी के बिआह कर लेबे के चाहीं। 37बाकी, जे अपना मन में बहुत पक्का बा, अउर जेकरा पर कवनो दबाव भी नइखे, बल्कि जेकर अपना इच्छा पर भी पूरा बस बा, अउर जे अपना मन में पूरा तय कर लिहले बा, कि उ अपना प्रिया से बिआह ना करी, तऽ उ ठीक ही कर रहल बा। 38एह से उ जे आपन प्रिया से बिआह कर लेत बा, अच्छा करत बा, अउर जे ओकरा से बिआह नइखे करत, उ अउर भी अच्छा करत बा।

39जब तक कवनो अउरत के पति जीवित रहेला, तबे तक उ बिआह के बंधन में बंधल रहेले, बाकी अगर ओकरा पति के मौत हो जात बीया, तऽ जेकरा साथ चाहे, बिआह कर लेबे खातिर, उ आजाद बीया, बाकी सिर्फ प्रभु में। 40बाकी उ जइसन बीया, ओइसहीं रहत बीया, तऽ ज्यादा खुश रही। ई हमार बिचार बा। अउर हम सोचत बानी, कि हमरा में भी परमेश्वर के आत्मा के ही बास बा।

चढ़ावा के भोजन

8 1अब मूर्तियन पर चढ़ावल गइल बलि के बारे में हमनी के ई जानत बानी जा, "हमनी के सभे ज्ञानी बानी जा।" ज्ञान लोगन के घमंड से भर देबेला। बाकी प्रेम से, आदमी ज्यादा शक्तिशाली बन जाला। 2अगर केहू सोचे, कि उ कुछ जानत बा, तऽ जेकरा जाने के चाहीं, ओकरा बारे में, तऽ उ अभी कुछ जनबे ना कइलस। 3अगर केहू परमेश्वर के प्रेम करत बा, तऽ उ परमेश्वर के जरिए जानल जाला।

4एह से मूर्तियन पर चढ़ावल गइल भोजन के बारे में, हमनी के जानत बानी जा, कि एह संसार में असली मूर्ति कहीं नइखे। अउर ई, कि परमेश्वर सिर्फ एक ही बाड़न। 5अउर धरती चाहे आकाश में, ओइसे तऽ कहाये वाला बहुत से "देवता" बाड़न, बहुत से "प्रभु" बाड़न। 6बाकी हमनी खातिर तऽ, एक ही परमेश्वर बाड़न, हमनी के पिता। उनके से सब कुछ आवेला। अउर उनके खातिर, हमनी के जियेनी जा। प्रभु बस एगो बाड़न, यीशु मसीह। उनके जरिए सब चीज के अस्तित्व बा, अउर उनके जरिए, हमनी के जीवन बा।

7बाकी ई ज्ञान, हर केहू के पास नइखे। कुछ लोग जे, अब तक मूर्ति उपासना के अभ्यास में बाड़न, अइसन चीज खाले, अउर सोचेले, जइसे, उ चीज मूर्ति के परसाद होखे। उनका एह कर्म से, उनकर आत्मा, निर्बल होखे के कारण, दूषित हो जाले। 8बाकी उ परसाद तऽ, हमनी के परमेश्वर के नजदीक ना ले जाई। अगर हमनी के ओकरा के ना खाईं जा, तऽ कुछ घटि ना जाई, अउर अगर खाईं जा, तऽ कुछ बढ़ि ना जाई।

9सावधान रहऽ! कहीं तोहार ई अधिकार, उनका खातिर, जे कमजोर बाड़न, पाप में गिरे के कारण मति बन जाउ। 10काहेंकि कमजोर मन के कवनो आदमी, अगर तहरा जइसन, एह विषय के जानकार के, मूर्ति वाला मंदिर में खात देखी, तऽ ओकर कमजोर मन, का ओह हद तक ना भटक जाई, कि उ मूर्ति पर बलि चढ़ावल गइल चीजन के, खाए लागे। 11तहरा ज्ञान से, कमजोर मन के आदमी के, नाश तऽ होइए जाई, तोहार ओही बंधु के, जेकरा खातिर मसीह जान दे दिहलन। 12एही तरह से अपना भाई सब के खिलाफ, पाप करत अउर उनकर कमजोर मन के चोट पहुँचावत, तू लोग मसीह के खिलाफ, पाप कर रहल बाड़ऽ। 13एह से अगर भोजन, हमरा भाई के पाप के राह पर बढ़ावत बा, तऽ हम फेरु कभी भी माँस ना खाइब, जवना से कि, हम अपना भाई खातिर, पाप करे के प्रेरणा ना बनीं!

पौलुस भी दोसर प्रेरितन के जइसन ही बाड़न

9 1का हम आजाद नइखीं? का हमहूँ, एगो प्रेरित नइखीं? का हम, प्रभु यीशु मसीह के दर्शन नइखीं कइले? का तू लोग, प्रभु में हमरे कर्म के नतीजा नइखऽ? 2चाहे दोसरा खातिर, हम प्रेरित ना भी होखीं — तबहुँ तहरा खातिर तऽ, प्रेरित बड़ले बानी। काहेंकि तू एगो अइसन मुहर के जइसन बाड़ऽ, जे प्रभु में, हमरा प्रेरित होखे के साबित करेले।

3उ लोग, जे हमार जाँच कइल चाहत बाड़न, उनका खातिर, आपन रक्षा में हमार जवाब ई बा, कि: 4का हमरा खाये-पीये के अधिकार नइखे? 5का हमरा इहो अधिकार नइखे, कि हम अपना विश्वासी पत्नी के, अपना साथ ले जाईं? जइसन कि दोसर प्रेरित, प्रभु के बंधु, अउर पतरस कइले बाड़न। 6चाहे का बरनाबास, अउर हमरा, आपन रोजी रोटी खातिर, कवनो काम करे के चाहीं? 7सेना में अइसन के होई, जे अपनही खर्च पर, एगो सिपाही के रूप में काम करे। चाहे के होखी जे, अंगूर के बगइचा लगा के भी, ओकर फल ना चखे? चाहे केहू अइसन बा, जे भेड़न के झुंड के देखभाल तऽ करत होखे, बाकी ओकर थोड़ा बहुत दूध ना पीयत होखे?

8का हम मानव चिंतन के रूप में ही, अइसन कह रहल बानी? आखिर का व्यवस्था के नियम, अइसने नइखे कहत? 9मूसा के व्यवस्था के नियम में, लिखल बा, "खलिहान में बैल के मुँह मत बाँधऽ।" परमेश्वर, का सिर्फ बैल के बारे में बता रहल बाड़न? 10ना! एकदम से, उ एकरा के हमनी खातिर का नइखन बतावत? हँऽ, ई हमनी खातिर ही लिखल गइल रहे। काहेंकि खेत जोते वाला, कवनो उम्मीद से ही खेत जोते, अउर खलिहान में भूसा से अनाज अलग करे वाला फसल के, कुछ हिस्सा पावे के उम्मीद तऽ रखबे करी। 11फेरु अगर हमनी के, तहार भलाई खातिर, आध्यात्मिकता

के बीज बोअले बानी जा, तऽ हमनी के तहरा से भौतिक चीजन के फसल काटल चाहत बानी जा, ई का कवनो बहुत बड़ा बात बीया? 12अगर दोसर लोग, तहरा से भौतिक चीज पावे के अधिकार राखत बाड़न तऽ, हमनी के तऽ, तहरा पर, का अउर भी बेसी अधिकार नइखे? बाकी हमनी के, एह अधिकार के इस्तेमाल, नइखीं जा कइले। बल्कि हमनी के तऽ, सब कुछ सहते रहल बानी जा, जवना से कि, हमनी के मसीह सुसमाचार के राह में कवनो रूकावट ना डाल दीहीं जा। 13का तू नइखऽ जानत, कि जे लोग मंदिर में काम करेलन, उ आपन भोजन, मंदिर से ही पावेलन। अउर जे नियम से बेदी के सेवा करेलन, बेदी के चढ़ावा में उनकर हिस्सा होखेला? 14एही तरह से प्रभु व्यवस्था दिहले बाड़न, कि सुसमाचार के प्रचारकन के रोजी-रोटी के व्यवस्था, सुसमाचार के प्रचार से ही होखे के चाहीं।

15बाकी एह अधिकार में से, हम कभी, एगो के भी व्यवहार ना कइनी। अउर ई बात, हम एह से लिखले भी नइखीं, कि अइसन कुछ हमरा विषय में कइल जाउ, सिवाय एकरा के कि, केहू हमरा से ओह बात के ही छीन लेबे, जेकर हमरा गर्व बा। एह से तऽ, हम मर गइल ही ठीक समुझब। 16एह से, अगर हम सुसमाचार के प्रचार करत बानी, तऽ एकरा में हमरा गर्व करे के कवनो कारण नइखे, काहेंकि हमार तऽ ई कर्तव्य बा। अउर अगर हम, सुसमाचार के प्रचार ना करीं, तऽ हमरा खातिर ई कतना खराब होई। 17अगर ई हम अपना मन से करत बानी, तऽ एकर फल पावे के लाएक बानी, बाकी अपना इच्छा से ना, बल्कि कवनो बहाली के कारण, ई काम हमरा के सँउपल गइल बा 18तऽ फेरु हमार प्रतिफल कवना चीज के। एह से जब हम सुसमाचार के प्रचार करीं, तऽ बिना कीमत लिहले ओकरा के करीं। जवना से कि सुसमाचार के प्रचार में, जवन कुछ पावे के हमार अधिकार बा, हम ओकर पूरा उपयोग ना करीं।

19ओइसे तऽ हम, कवनो आदमी के बंधन में नइखीं, तबहूँ हम अपना के, रउआ सब के सेवक, बना लिहले बानी, जवना से कि हम अधिकतर लोगन के, जीत सकीं। 20यहूदियन खातिर, हम एगो यहूदी जइसन बननी, जवना से कि हम यहूदियन के जीत सकीं। जे लोग व्यवस्था के नियम के अधीन बाड़न, उनका खातिर हम एगो अइसन आदमी बननी, जे व्यवस्था के नियम के अधीन जइसन बा। हालाँकि हम अपने भी, व्यवस्था के विधान के अधीन नइखीं। ई हम एह खातिर कइनी, कि हम व्यवस्था के नियम के अधीन वालन के, जीत सकीं। 21हम एगो अइसन आदमी भी बननी, जवन व्यवस्था के नियम के ना माने। ओइसे तऽ हम, परमेश्वर के व्यवस्था के बिना नइखीं, बल्कि मसीह के व्यवस्था के अधीन बानी। जवना से कि, जे व्यवस्था के नियम के नइखन मानत, उनका के हम जीत सकीं। 22जे कमजोर बाड़न, उनका खातिर हम कमजोर बननी, जवना से कि हम कमजोरन के जीत सकीं। हर केहू खातिर, हम हर केहू के जइसन बननी, कि हर हो सके वाला उपाय से उनकर उद्धार कर सकीं। 23ई सब कुछ हम सुसमाचार खातिर करेनी, जवना से कि इनकर बरदान में, हमार भी कुछ हिस्सा होखे।

24का तू लोग ई नइखऽ जानत, कि खेल के मैदान में तऽ सभे दउड़ाक, दउड़ेले बाकी इनाम, केहू एक ही के मिलेला। अइसन दउड़ऽ कि जीत तोहरे होखे! 25कवनो खेल प्रतियोगिता में, हरेक बाजी लगावे वाला के, हर तरह के आत्मसंयम करे के पड़ेला। उ, एगो नाश होखे वाला जयमाल से सम्मानित होखे खातिर, अइसन करेलन, बाकी हमनी के तऽ, एगो कभी नष्ट ना होखे वाला, मुकुट के पावे खातिर ई करेनी जा। 26एह तरह से हम, ओह आदमी के जइसन दउड़ेनी, जेकरा सामने एगो मंजिल हऽ। हम हवा में मुक्का ना मारेनी। 27बल्कि हम तऽ, अपना शरीर के कड़ा अनुशासन में तपा के, ओकरा के अपना वश में करेनी। जवना से कि, कहीं अइसन ना हो जाउ, कि दूसरा के उपदेश दिहला के बाद, परमेश्वर के जरिए, हम ही बेकार ठहरा दिहल जाईं!

यहूदियन जइसन मति बनऽ

10 1हे भाई लोग, हम चाहत बानी कि तू ई जान लऽ, कि हमनी के पुरखा बादल के छत्रछाया में, लाल सागर पार करि गइल रहलन। 2उनका लोग के बादल के नीचे, समुद्र के बीच, मूसा के अनुयायियन के रूप में, बपतिस्मा दिहल गइल रहे। 3उ लोग सभे, बराबर आध्यात्मिक भोजन खइले रहलन। 4अउर बराबर आधयात्मिक जल पियले रहलन, काहेंकि उ अपना साथे चल रहल, ओह आध्यात्मिक चट्टान से ही जल ग्रहण करत रहलन। अउर उ चट्टान रहे मसीह। 5बाकी उनका में से ज्यादातर लोगन से, परमेश्वर खुश ना रहलन, एही से उ लोग रेगिस्तान में मारल गइलन।

6ई बात एह से अइली सऽ, कि हमनी खातिर उदाहरण साबित होखऽ, अउर हमनी के बुरा बात के कामना ना करीं जा, जइसे उ लोग कइले रहलन। 7मूर्ति-पूजक मति बनऽ, जइसे कि उनका में से कुछ लोग रहलन। शास्त्र कहत बा: "आदमी खाये-पीये खातिर बइठल, अउर एक दूसरा में आनन्द मनावे खातिर उठल।" 8एह से आवऽ, हमनी के कबो, व्यभिचार ना करीं जा, जइसे उनका में से कुछ लोग कइल करत रहलन। एही नाते उनका में से 23,000 आदमी, एक ही दिने मर गइलन। 9आवऽ हमनी के, मसीह [a] के परीक्षा मत लीहीं जा, जइसे कि उनका में से कुछ लिहले रहलन। नतीजा के रूप में, साँप के कटला से उ मरि गइलन।

[a] ***10:9*** **मसीह** कुछ यूनानी प्रति में हऽ, "प्रभु।"

10शिकायत मति करऽ, जइसन कि उनका में कुछ लोग करत रहलन, अउर एही कारण से विनाश के स्वर्गदूत के जरिए, मार दिहल गइलन।

11ई सब बात, उनका साथ अइसन घटल, कि उदाहरण रहे। अउर उनका के लिख दिहल गइल, कि हमनी खातिर, जेकरा पर युगन के अंत उतरल बा, चेतावनी रहे। 12एह से जे ई सोचत बा, कि उ मजबूती के साथ खड़ा बा, ओकरा सावधान रहे के चाहीं, कि उ गिर मत जाउ। 13तू कवनो अइसन परीक्षा में नइखऽ पड़ल, जे मनुष्य खातिर साधारण नइखे। परमेश्वर विश्वास करे योग्य बाड़न। उ तहरा सहन शक्ति से ज्यादा, तहरा के परीक्षा में ना पड़े दिहें। परीक्षा के साथ-साथ, ओकरा से बचे के राह भी उ तहरा के दिहें, जवना से कि, तू परीक्षा के पास कर सकऽ।

14हे हमार प्रिय मित्र लोग, अंत में हम कहत बानी, कि मूर्ति उपासना से दूर रहऽ। 15तहरा के समझदार समझ के, हम अइसन कह रहल बानी। जवन हम कह रहल बानी, ओकरा के अपने आप जाँचऽ। 16धन्यवाद के उ प्याला, जेकरा खातिर हमनी के धन्यवाद देबेनी जा, उ का मसीह के लहू में, हमनी के साझेदारी ना हऽ? उ रोटी, जेकरा के हमनी के बाँटेनी जा, का यीशु के देह में हमनी के साझेदारी ना हऽ? 17रोटी के भइल, एगो अइसन सच्चाई बीया जेकर मतलब बा, कि हमनी के सब, एक ही शरीर से बानी जा। काहेंकि ओह एक रोटी में ही, हमनी सब साझेदार बानी जा।

18ओह इस्राएलियनके बारे में सोचऽ, जे बलि के चीज खात बाड़न। का उ ओह बेदी के साझेदार नइखन? 19ई बात के हमरा कहे के मतलब का बा? का हम ई कहल चाहत बानी, कि मूर्तियन पर चढ़ावल गइल भोजन कुछ बा, चाहे कि मूर्ति कुछउ नइखे। 20बल्कि हमार तऽ उम्मीद ई बा, कि उ अधर्मी, जे बलि चढ़ावेलन, उ परमेश्वर खातिर ना, बल्कि दुष्ट आत्मा खातिर चढ़ावेलन। अउर हम नइखीं चाहत, कि तू दुष्ट आत्मा सब के साझेदार बनऽ। 21तू प्रभु के कटोरा, अउर दुष्टात्म के कटोरन में से एक साथ नइखऽ पी सकत। तू प्रभु के भोजन के चौकी, अउर दुष्टात्म के भोजन के चौकी, दूनो में एक साथ हिस्सा नइखऽ ले सकत। 22का हमनी के, प्रभु के चिढ़ावल चाहत बानी जा? का जतना शक्तिशाली उ बाड़न हमनी के ओकरा से ज्यादा शक्तिशाली बानी जा?

आपन आजादी के इस्तेमाल, परमेश्वर के महिमा खातिर करऽ

23जइसन कि कहल गइल बा कि, "हमनी के कुछ भी करे खातिर, आजाद बानी जा।" बाकी सब कुछ भलाई करेवाला नइखे। "हमनी के कुछ भी करे खातिर, आजाद बानी जा" बाकी हर बात से, विश्वास मजबूत तऽ ना होखेला। 24केहू के भी, सिर्फ स्वार्थ के ही चिन्ता ना करे के चाहीं, बल्कि दूसरा के भलाई के भी, सोचे के चाहीं।

25बाजार में जवन कुछ बेचा रहल बा, अपना अंतर्मन के मुताबिक, उ सब कुछ खा। ओकरा बारे में, कवनो सवाल मत करऽ। 26काहेंकि शास्त्र कहत बा: "ई धरती, अउर एह पर जवन कुछ बा, उ सब प्रभु के हऽ।"

27अगर अविश्वासियन में से कवनो आदमी, तहरा के भोजन पर बोलावे, अउर तू ओइजा गइल चाहऽ, तऽ तहरा सामने जवन भी परोसल गइल बा, अपना अंतर्मन के मुताबिक, सब खाऽ। कवनो सवाल मत पूछऽ। 28बाकी अगर केहू, तहरा लोगन के ई बतावे, "ई देवता पर चढ़ावल गइल चढ़ावा हऽ" तऽ जे तहरा के ई बतवले बा, ओकरा कारण से, अउर अपना अन्तर्मन के कारण से, ओकरा के मति खा। 29हम जब अंतर्मन कहत बानी, तऽ हमार अर्थ, तहरा अंतर्मन से ना बल्कि ओह दूसरा आदमी के अंतर्मन से बा। एकमात्र इहे कारण बा। काहेंकि हमार आजादी, भला दूसरा आदमी के अंतर्मन के लिहल फैसला से, बंधल काहें रहे? 30अगर हम धन्यवाद देके भोजन में हिस्सा लेत बानी, तऽ जवना चीज खातिर हम, परमेश्वर के धन्यवाद देत बानी, ओकरा खातिर हमार आलोचना ना कइल जाए के चाहीं।

31एह से चाहे तू खाऽ, चाहे पीअऽ, चाहे कुछ अउर करऽ, बस सब कुछ परमेश्वर के महिमा खातिर करऽ। 32यहूदियन खातिर, चाहे गैर यहूदियन खातिर, चाहे जे परमेश्वर के कलीसिया के बाड़न उनका खातिर, कभी रूकावट मति बनऽ 33जइसे अपने हर तरह से, हर केहू के खुश राखे के कोशिश करेनी, अउर बिना ई सोचले, कि हमार स्वार्थ का बा, भलाई के सोचेनी, जवना से कि उनकर उद्धार होखे।

11 1एह से तू लोग, ओइसहीं हमरा पीछे चलऽ, जइसे हम मसीह के पीछे चलेनी।

अधीन रहल

2हम तहार प्रशंसा करत बानी। काहेंकि, तू हमरा के हर समय याद करेलऽ; अउर जवन शिक्षा, हम तहरा के दिहले बानी, ओकर सावधानी से पालन कर रहल बाड़ऽ। 3बाकी हम चाहत बानी, कि तू ई जान लऽ कि अउरत के सिर, पुरूष हऽ, पुरूष के सिर मसीह हवन, अउर मसीह के सिर परमेश्वर हवन।

4हरेक अइसन पुरूष, जे सिर ढक के प्रार्थना करेले, चाहे जनता में परमेश्वर के ओर से बोलेला, उ परमेश्वर के अपमान करेला, जे कि आपन सिर हऽ, 5बाकी हरेक अइसन अउरत, जे बिना सर ढकले प्रार्थना करेले, चाहे जनता में परमेश्वर के ओर से बोलेले, उ अपना पुरुष के अपमान करेले जे ओकर सिर हऽ। उ ठीक ओही अउरत के जइसन बीया, जे आपन सिर मुंड़वा दिहले बीया। 6अगर कवनो अउरत,

आपन सिर नइखे ढकत, तऽ उ आपन बाल भी काहें नइखे मुंड़वा लेत। बाकी एगो अउरत खातिर, बाल मुंड़वावल लाज के बात बीया, तऽ ओकरा आपन सिर भी ढके के चाहीं।

7बाकी पुरूष खातिर, आपन सिर के ढकल उचित नइखे, काहेंकि उ परमेश्वर के स्वरूप, अउर महिमा के छाया हऽ। बाकी एगो अउरत, अपना पुरूष के, महिमा के छाया देखावेले। 8हम अइसन एह से कहत बानी, काहेंकि पुरूष कवनो अउरत से ना, बल्कि अउरत, पुरूष से बनल बीया। 9पुरुष, अउरत खातिर नइखे बनावल गइल, बल्कि अउरत के रचना, पुरुष खातिर भइल बा। 10एह से परमेश्वर, उनका के जे अधिकार दिहले बाड़न, ओकरा चिन्ह के रूप में, अउरत के चाहीं, कि उ आपन सिर ढके। ओकरा स्वर्गदूतन के कारण भी, अइसन करे के चाहीं।

11तबहूँ प्रभु में, ना तऽ अउरत पुरूष से आजाद बीया, अउर ना ही पुरूष अउरत से। 12काहेंकि जइसे पुरूष से अउरत आइल, ओइसहीं अउरत, पुरूष के जनम दिहलस। बाकी सब केहू परमेश्वर से आवेला। 13अपने फैसला करऽ। का जनता के बीच, एगो अउरत के सिर उघड़ले, परमेश्वर के प्रार्थना कइल अच्छा लागेला? 14का कुदरत अपनेही तहरा के ना सिखावेले, कि अगर कवनो पुरूष, आपन बाल लम्बा बढ़े देबे, तऽ ई ओकरा खातिर लाज के बात बा, 15अउर ई कि एगो अउरत खातिर, इहे ओकर शोभा हऽ? असल में ओकरा के ओकर लंबा बाल, एगो ओढ़नी के रूप में दिहल गइल बा। 16अब एह पर अगर केहू विवाद कइल चाहे, तऽ हमरा कहे के पड़ी, कि ना तऽ हमनी के इहाँ कवनो अइसन प्रथा बा, अउर ना ही परमेश्वर के कलीसिया में।

प्रभु भोज

17अब ई अगिला आदेश देत, हम तोहार प्रशंसा नइखीं करत, काहेंकि तोहार आपस में मिलल, तोहार भला करे के बदले, तोहार हानि पहुँचा रहल बा। 18सबसे पहिले ई, कि हम सुनले बानी, कि तू लोग सभा में जब आपस में मिलेलऽ, तऽ तहनी लोग के बीच, मतभेद रहेला। कुछ हद तक हम एकरा पर विश्वास भी करत बानी। 19आखिर तहरा बीच, मतभेद भी होइबे करी। जवना से कि तहरा बीच में, जवन सही बतावल गइल बा, उ सामने आ जाउ।

20एह से जब तू आपस में इकट्ठा होखेलऽ, तऽ सच में प्रभु के भोज पावे खातिर, इकट्ठा ना होखेलऽ, 21बल्कि जब तू भोज ग्रहण करेलऽ, तऽ तहरा में से हर केहू, आगे बढ़ के, अपने ही खाना पर टूट पड़ेला। अउर बस, कवनो आदमी तऽ भूखे चल जाला, जब कि कवनो आदमी, बहुत ज्यादा खा-पी के मस्त हो जाला। 22का तहरा पास, खाये-पीये खातिर, आपन घर नइखे। चाहे एह तरह से, तू परमेश्वर के कलीसिया के, बेइज्जती नइखऽ करत? अउर जे गरीब बा, ओकर तू अपमान करे के कोशिश, नइखऽ करत? हम तहरा से का कहीं? एकरा खातिर, का हम तोहार बड़ाई करीं। एह बारे में, हम तोहार प्रशंसा ना करब।

23काहेंकि जवन सीख, हम तहरा के दिहले बानी, उ हमरा के, प्रभु से मिलल रहे। प्रभु यीशु ओह रात में, जब उनका के मरवा देबे खातिर, पकड़वावल गइल रहे, एगो रोटी लिहलन 24अउर धन्यवाद दिहला के बाद, उ ओकरा के तोड़लन, अउर कहलन, "ई हमार शरीर हऽ, जवन कि तहरा खातिर बा। हमरा के याद करे खातिर, तू अइसहीं कइल करऽ।" 25उनका भोजन कर लिहला के बाद, एही तरह से, उ प्याला उठवलन, अउर कहलन, "ई प्याला हमार लहू के जरिए कइल गइल, एगो नया वाचा हऽ। जब कभी तू एकरा के पीयऽ, तबहीं हमरा के याद करे खातिर, अइसन करऽ" 26काहेंकि जतना बार भी, तू एह रोटी के खालऽ, अउर एह प्याला के पीयेलऽ, ओतने बार, जब तक उ आ नइखन जात, तू प्रभु के मौत के प्रचार करेलऽ।

27एह से जे केहू भी, प्रभु के रोटी चाहे प्रभु के प्याला के, गलत तरीका से खाला पीयेला, उ प्रभु के देह, अउर उनकर लहू खातिर, अपराधी होई। 28आदमी के चाहीं कि, उ पहिले अपना के जाँचे, अउर तब एह रोटी के खाउ, अउर एह प्याला के पीये। 29काहेंकि प्रभु के देह के अर्थ, बिना समुझले, जे ओह रोटी के खाला, अउर एह प्याला के पीयेला, उ एह तरह से खा-पी के, अपना उपर दंड के बोलावेला। 30एही से तऽ, तहरा में से बहुत से लोग, कमजोर बाड़न, बीमार बाड़न अउर बहुत से लोग तऽ मर गइल बाड़न। 31बाकी अगर हमनी के, अपने आप के, बढ़िया से जाँच लिहले रहतीं जा, तऽ हमनी के, प्रभु के दंड ना भोगे के पड़ित। 32प्रभु हमनी के, अनुशासन में राखे खातिर, दंड देबेलन। जवना से कि, हमनी के संसार के साथ, दंड ना दिहल जाउ।

33एह से, हे हमार भाई लोग, जब भोजन करे तू इकट्ठा होखेलऽ, तऽ एक दूसरा के इंतजार करऽ। 34अगर सच में केहू के भूख लागल होखे, तऽ ओकरा घर पर ही खा लेबे के चाहीं, जवना से कि, तोहार जुटल, तोहार सजा के कारण मति बने। अइसन होखे; दोसर बात सब के, जब हम आइब, तबहीं सुलझाइब।

पवित्र आत्मा के वरदान

12 1हे भाई लोग, अब हम नइखीं चाहत, कि तहनी लोग आत्मा के बरदान के बारे में, अनजान रहऽ। 2तू जानत बाड़ऽ, कि जब तू बेधर्मी रहलऽ, तब तहरा के गूंगा, जड़ मूर्तियन के ओर, जइसे भटकावल जात रहे, तू ओइसहीं भटकत रहलऽ। 3एह से हम तहरा के बतावत बानी, कि परमेश्वर के आत्मा के ओर से बोलेवाला, केहू भी ई ना कहेला, "यीशु के सराप लागे" अउर पवित्र आत्मा के

जरिए कहेवाला के छोड़ के ना केहू ई कह सकत बा कि, "यीशु प्रभु हवन।"

4हर केहू के आत्मा के, अलग अलग बरदान मिलल बा। बाकी ओकरा के देबे वाली आत्मा तऽ, एक ही बीया। 5बहुत तरह के सेवा तय कइल गइल बाड़ीसऽ, बाकी हमनी के जेकर सेवा करेनी जा, उ प्रभु तऽ एक ही बाड़न। 6काम-काज तऽ बहुत बतावल गइल बाड़ेसऽ, बाकी सब के बीच, सब कर्म के करेवाला, उ परमेश्वर तऽ एक ही बाड़न।

7हर केहू में, आत्मा कवनो ना कवनो रूप में परगट होखेले, जे हरेक के भलाई खातिर होखेला। 8केहू के आत्मा के जरिए, परमेश्वर के ज्ञान से जुड़ के, बोले के काबिलियत दिहल गइल बीया, तऽ केहू के ओही आत्मा के जरिए, दिव्य ज्ञान के प्रवचन के काबिलियत। 9अउर केहू दोसर आदमी के, ओही आत्मा के जरिए, विश्वास के बरदान दिहल गइल बा, तऽ केहू के चंगा करे के सामर्थ, ओही आत्मा के जरिए दिहल गइल बा। 10अउर कवनो दोसर आदमी के, अचरज से भरल शक्ति दिहल गइल बाड़ीसऽ, तऽ केहू दोसरा के, परमेश्वर के ओर से बोले के सामर्थ दिहल गइल बा। अउर केहू के मिलल बीया, भला-बुरा आत्मा के पहिचाने के शक्ति। केहू के, अलग अलग भाषा बोले के शक्ति हासिल भइल बीया, तऽ केहू के भाषा के व्याख्या कर के, उनकर मतलब निकाले के शक्ति। 11बाकी, ई उहे एगो आत्मा हऽ, जे, जेकरा-जेकरा के, जवन-जवन ठीक समुझेले उ देत, एह सब बात के पूरा करेले।

मसीह के देह

12जइसे हमनी में से, हरेक के शरीर तऽ एक बा, बाकी ओकरा में अंग बहुत बाड़ेसऽ। अउर हाँलाकि बहुत अंग होके भी, ओहनी से देह एक ही बनेले, ओइसहीं मसीह बाड़न। 13काहेंकि, हमनी के चाहे यहूदी होईं जा, चाहे गैर यहूदी, सेवक रहल होईं जा, चाहे आजाद। एक ही देह के, अलग अलग बन जाए खातिर, हमनी सब के एक ही आत्मा के जरिए, बपतिस्मा दिहल गइल, अउर पिआस बुझावे खातिर, हमनी सब के एक ही आत्मा दिहल गइल।

14अब देखऽ मानव शरीर कवनो एगो अंग से तऽ बनल ना होखेला, बल्कि ओकरा में बहुत से अंग होखेलेसऽ। 15अगर गोड़ कहे, "काहेंकि हम हाथ ना हईं, एह से, हमार शरीर से कवनो संबंध नइखे" तऽ एह से का उ शरीर के अंग ना रही। 16एही तरह से, अगर कान कहे, "काहेंकि हम आँख ना हईं, एह से हम शरीर के ना हईं" तऽ का एही कारण से उ शरीर के ना रही। 17अगर एगो आँख ही पूरा शरीर होइत, तऽ सुनल कहँवा से जाइत? अगर कान ही पूरा शरीर होइत, तऽ सूंघल कहाँ से जाइत? 18बाकी सही में परमेश्वर जइसन ठीक समुझलन, हर अंग के, शरीर में ओइसहीं जगह दिहलन। 19अगर शरीर के सब अंग, एक जइसन हो जइतन तऽ, शरीर ही कहाँ होइत। 20बाकी हालत ई बा, कि अंग तऽ कई गो होखेलन, बाकी शरीर एक ही रहेला।

21आँख, हाथ से ई नइखे कह सकत कि, "हमरा तोहार जरूरत नइखे।" चाहे अइसे ही सिर, गोड़ से नइखे कह सकत, कि, "हमरा तोहार जरूरत नइखे।" 22एकरा एकदम उल्टा, शरीर के जवना अंग सब के, हमनी के कमजोर समझेनी जा उ बहुत जरूरी होखेलेसऽ। 23अउर शरीर के जवना अंग सब के, हमनी के कम आदर योग्य समुझेनी जा, उनकर हमनी के ज्यादा ध्यान राखेनी जा। अउर हमनी के गुप्त अंग, अउर ज्यादा शालीनता पा लेबेलेसऽ। 24जबकि हमनी के, देखावे वाला अंग के, एह तरह के उपचार के जरूरत ना होखेला। बाकी परमेश्वर, हमनी के शरीर के रचना, एह ढंग से कइले बाड़न, जवना से कि, ओह अंग सब के, जवन कम सुन्दर बाड़ेसऽ, ज्यादा आदर हासिल होखे। 25जवना से कि, देह में कहीं कवनो फूट मति पड़े, बल्कि देह के अंग, एक दूसरा के, बराबर रूप से, ध्यान राखसु। 26अगर शरीर के कवनो अंग, दुख पावत बा, तऽ ओकरा साथ, शरीर के अउर अंग भी दुखी होखेलेसऽ। अगर कवनो एक अंग के मान बढ़ेला, तऽ सब अंग हिस्सा बाँटेलेसऽ।

27एह तरह से, तू लोग मसीह के शरीर हवऽ, अउर अलग-अलग रूप में, ओकर अंग हवऽ। 28अतने ना, परमेश्वर कलीसिया में, पहिले प्रेरितन के, दूसरा नबियन के, तीसरा उपदेशकन के, फेरू अचरज कर्म करेवालन के, अउर फेरु ओह लोगन के, जे चंगा करे के ताकत से जुड़ल बाड़न, फेरु उनका के, जे दूसरा के मदद करेलन, स्थापित कइले बाड़न, फेरु अगुआई करे वालन के, अउर फेरू ओह लोगन के, जे अलग-अलग भाषा बोल सकत बाड़न। 29का ई सब प्रेरित हवन? ई सब, का नबी हवन? का ई सब, उपदेशक हवन? का ई सब, अचरज कर्म करेलन? 30का एह सब लोगन के पास, चंगा करे के शक्ति बीया? का ई सब, दोसर भाषा बोलेलन? का ई सब अन्य भाषा के व्याख्या करेलन? 31हँऽ, बाकी तू आत्मा के अउर बड़ा बरदान, पावे खातिर कोशिश करत रहऽ। अउर एह सब खातिर, बढ़िया राह, तहरा के अब हम देखाइब।

प्रेम महान बा

13 1अगर हम, मनुष्य अउर स्वर्गदूतन के भाषा तऽ बोल सकीं, बाकी हमरा में प्रेम ना होखे, तऽ हम सिर्फ एगो बाजत घड़ियाल, चाहे झंकार मारत झांझ बानी। 2अगर हमरा में, परमेश्वर के ओर से बोले के शक्ति होखे, अउर हम परमेश्वर के सब रहस्य के जानत होखीं, अउर समूचा दिव्य ज्ञान भी, हमरा पास होखे, अउर अतना विश्वास भी हमरा में होखे, कि पहाड़न के अपना जगह से सरका सकीं,

बाकी हमरा में प्रेम ना होखे 3तऽ हम कुछउ नइखीं। अगर हम आपन सारा संपति, थोड़ा-थोड़ा करके, जरूरत वालन के दान कर दीहीं, अउर अब चाहे अपना शरीर तक के, जला देबे खातिर संउप दीहीं, बाकी अगर हम प्रेम नइखीं करत तऽ, एकरा से हमार भला होखे वाला नइखे ।

4प्रेम धीरजवान हऽ, प्रेम दयामय हऽ, प्रेम में जलन ना होखे, प्रेम आपन बड़ाई अपने ना करेला। 5उ अभिमानी ना होखे। उ गलत व्यवहार कभी ना करेला। उ स्वार्थी ना हऽ, प्रेम कबो झुंझलाला ना, उ बुराईयन के हिसाब ना राखेला।। 6बुराई पर कभी ओकरा खुशी ना होखेला। उ तऽ दूसरा के साथ सच्चाई पर, खुश होखेला। 7उ हमेशा रक्षा करेला, उ हमेशा विश्वास करेला। प्रेम हमेशा, उम्मीद से भरल रहेला। उ सहनशील होखेला।

8प्रेम अमर बा। जबकि भविष्यवाणी के सामर्थ तऽ खत्म हो जाई, दोसर भाषा के बोले के क्षमता वाली जीभ, एक दिन चुप हो जाई, दिव्य ज्ञान के उपहार खत्म हो जाई, 9काहेंकि, हमनी के ज्ञान तऽ अधूरा बा, हमनी के भविष्यवाणी, अधूरा बाड़ी सऽ। 10बाकी जब पूर्णता आई, तब उ अधूरापन चल जाई।

11जब हम बच्चा रहनी तऽ एगो बच्चा के जइसन ही बोलल करत रहनी, ओइसहीं सोचत रहनी, अउर ओही तरह से सोच बिचार करत रहनी, बाकी अब जबकि हम बड़ा होके पुरूष बन गइल बानी, तऽ उ बचपन के बात सब चल गइल बाड़ी सऽ। 12काहेंकि अभी तऽ, दर्पण में हमनी के एगो, धुंआ जइसन छाया लउकत बीया, बाकी पूर्णता हासिल हो गइला पर, हमनी के पूरा तरह से, आमने सामने देखब जा। अभी तऽ हमार ज्ञान अधूरा बा, बाकी समय अइला पर, उ पूरा हो जाई। ओइसहीं, जइसे परमेश्वर, हमरा के पूरा तहर से जानत बाड़न। 13एह दौरान विश्वास, आशा, अउर प्रेम तऽ बनले रही, अउर एह तीनो में भी सबसे महान हऽ प्रेम।

आध्यात्मिक बरदानन के, कलीसिया के सेवा में लगावऽ

14 1प्रेम के राह पर, कोशिश करत रहऽ। अउर आध्यात्मिक बरदान के लगन के साथ, इच्छा करऽ। खासकर के परमेश्वर के ओर से, बोले के। 2काहेंकि, जेकरा दोसरा के भाषा बोले के बरदान मिलल बा, उ तऽ असल में, लोगन से ना, बल्कि परमेश्वर से बात कर रहल बा। काहेंकि, ओकरा के केहू समझ ना पावेला, उ तऽ, आत्मा के शक्ति से, रहस्य से भरल बोल बोल रहल बा। 3बाकी उ, जेकरा परमेश्वर के ओर से बोले के, बरदान हासिल बा, उ लोगन से, उनका के आत्मा में मजबूती, प्रोत्साहन अउर चैन पहुँचावे खातिर, बोल रहल बा। 4जेकरा कई तरह के भाषा में, बोले के बरदान हासिल बा, उ तऽ बस आपन आत्मा के ही मजबूत करेला, बाकी जेकरा के, परमेश्वर के ओर से बोले के सामर्थ मिलल बा, उ पूरा कलीसिया के, आध्यात्मिक रूप से मजबूत बनावेला। 5अब हम चाहत बानी, कि तू सब तरह के दोसर कईगो भाषा बोलऽ, बाकी एकरो से बेसी हम ई चाहत बानी, कि तू परमेश्वर के ओर से बोल सकऽ, काहेंकि कलीसिया के आध्यात्मिक मजबूती खातिर, आपन कहला के व्याख्या करे वाला के छोड़ के, दोसर कई भाषा बोले वाला से, परमेश्वर के ओर से बोले वाला, बड़ा बा।

6हे भाई लोग, अगर दोसर भाषा में बोलत हम तहरा पास आईं, तऽ एकरा से तहार का भला होई, जब तक कि तहरा खातिर, हम कवनो रहस्य के उदघाटन, दिव्य ज्ञान, परमेश्वर के संदेश, चाहे कवनो उपदेश ना दीहीं। 7ई बोलल तऽ अइसने होई, कि जइसे कवनो बाँसुरी, चाहे सारंगी जइसन बिना जीव के बाजा के आवाज। अगर कवनो बाजा के आवाज में, आपसी अन्तर साफ नइखे होखत, तऽ केहू कइसे पता लगाई, कि बाँसुरी चाहे सारंगी पर, कवन धुन बजावल जा रहल बीया। 8अउर बिगुल से साफ आवाज ना निकले, तऽ फेरु लड़ाई खातिर के तइयार होई?

9एही तरह से, केहू दोसरा के भाषा में, जब तक तू साफ-साफ ना बोलऽ, तब तक केहू कइसे समझ पाई, कि तू का कहले बाड़ऽ। काहेंकि, अइसे तऽ तू, बस हवा में बोले वाला ही रह जइबऽ। 10एह में कवनो शक नइखे, कि संसार में तरह-तरह के बोली बाड़ी सऽ, अउर उनका में से कवनो, बेमतलब के नइखे। 11एह से जब तक हम, ओह भाषा के जानकार नइखीं, तब तक बोले वाला खातिर, हम एगो अनजान ही रहब। अउर उ बोले वाला, हमरा खातिर भी अजनबी ही रही। 12तहरा पर भी, इहे बात लागू होत बीया, काहेंकि तू आध्यात्मिक वरदान के पावे खातिर, उत्सुक बाड़ऽ। एह से, ओकरा में भरपूर होखे के कोशिश करऽ, जवना से कलीसिया के, आध्यात्मिक मजबूती मिले।

13नतीजा के रूप में, जे दोसरा भाषा में बोलेला, ओकरा प्रार्थना करे के चाहीं, कि उ अपना कहला के मतलब भी, बता सके। 14काहेंकि, अगर हम कवनो दोसर भाषा में प्रार्थना करीं, तऽ हमार आत्मा तऽ प्रार्थना करत रहेले, बाकी हमार बुद्धि बेकार रहेले। 15तऽ फेरु का करे के चाहीं? हम आपन आत्मा से तऽ प्रार्थना करबे करब, बाकी आपन बुद्धि से भी प्रार्थना करब। आपन आत्मा से तऽ उनकर स्तुति करबे करब, बाकी अपना बुद्धि से भी, उनकर स्तुति करब। 16काहेंकि अगर तू सिर्फ, आपन आत्मा से ही कवनो आशीर्वाद दऽ, तऽ ओइजा बइठल कवनो आदमी, जे कि सिर्फ सुन रहल बा, तहरा धन्यवाद पर, “आमीन” कइसे कही, काहेंकि तू जवन कह रहल बाड़ऽ, ओकरा के उ जानते नइखे। 17अब देखऽ, तू तऽ चाहे बढ़िया से धन्यवाद दे रहल बाड़ऽ, बाकी

दोसर आदमी के तऽ ओह से कवनो आध्यात्मिक मजबूती ना होखे।

18हम परमेश्वर के धन्यवाद देत बानी, कि हम तहरा सब से बढ़ के, कईगो भाषा बोल सकत बानी। 19बाकी कलीसिया सभा के बीच, कवनो दोसर भाषा में, दसो हजार शब्द बोले के बदले, आपन बुद्धि के व्यवहार करत, बस पाँच गो शब्द बोलल, बढ़िया समुझत बानी, जवना से कि दोसरा के भी शिक्षा दे सकीं।

20हे भाई लोग, अपना बिचार में बबुआ मति रहऽ, बल्कि बुराई के बारे में, नादान बच्चा जइसन, बनल रहऽ। बाकी अपना चिंतन में सयाना बनऽ। 21जइसन कि शास्त्र कहत बा:

> "उनकर व्यवहार करत, जे दोसर बोली बोलेलन,
> उनका मुँह के व्यवहार करत, जे पराया बाड़न।
> हम इनका से बात करब, बाकी तबहूँ, ई हमार ना
> सुनिहें।" *यशायाह 28:11-12*

प्रभु अइसे ही कहत बाड़न।

22एह से दूसरा भाषा बोले के बरदान, अविश्वासियन खातिर इशारा बा, ना कि विश्वासी लोग खातिर। जबकि परमेश्वर के ओर से बोलल, अविश्वासीयन खातिर नइखे, बल्कि विश्वासी लोगन खातिर बा। 23एह से पूरा कलीसिया, इकट्ठा होखे, अउर हर केहू दोसरा-दोसरा भाषा में, बोल रहल होखे, तबे बाहर के लोग, चाहे अविश्वासी, भीतर आ जासु, तऽ का उ लोग तहरा के पागल ना कहिहें। 24बाकी अगर हर केहू, परमेश्वर के ओर से बोल रहल होखे, अउर तब तक कुछ अविश्वासी, चाहे बाहर के आ जासु, तऽ का सब लोग उनका के, उनकर पाप के ज्ञान, ना करा दीहें। सब लोग जे कह रहल बाड़न, ओकरे पर ओकर इंसाफ होई। 25जब उनकर मन के भीतर छिपल भेद, खुल जाई, तब तक उ ई कहत, "सच में तहरा बीच परमेश्वर बाड़न" दण्डवत प्रणाम कर के, परमेश्वर के उपासना करिहें।

तोहार सभा अउर कलीसिया

26हे भाई लोग, तऽ फेरु का करे के चाहीं? तू जब इकट्ठा होखेलऽ, तऽ तहरा में से केहू भजन, केहू उपदेश, अउर केहू, आध्यात्मिक रहस्य के खोलेला। केहू कवनो दोसर भाषा में बोलेला, तऽ केहू ओकर व्याख्या करेला। ई सब बात, कलीसिया के आत्मिक मजबूती खातिर, कइल जाये के चाहीं। 27अगर कवनो दोसर भाषा में बोले के बा, तऽ ज्यादा से ज्यादा, दूगो, चाहे तीन गो के ही, बोले के चाहीं-बारी-बारी से, एक-एक कर के। अउर जवन कुछ कहल गइल बा, एगो के ओकर वर्णन करे के चाहीं। 28अगर ओइजा या वर्णन करे वाला, केहू ना होखे, तऽ बोले वाला के चाहीं, कि उ सभा में चुप ही रहे, अउर फेरु, ओकरा अपने आप से, अउर परमेश्वर से ही बात करे के चाहीं।

29परमेश्वर के ओर से, उनकर दूत के रूप में, बोले के जेकरा बरदान मिलल बा, अइसन दूगो, चाहे तीन गो आदमी के ही, बोले के चाहीं, अउर दूसरा लोग के चाहीं कि, जवन कुछ उ लोग कहले बाड़न, उ लोग, ओकरा के जाँचत रहसु। 30अगर ओइजा बइठल कवनो आदमी पर, कवनो बात के भेद खुलत बा, तऽ परमेश्वर के ओर से बोल रहल पहिला वक्ता के, चुप हो जाए के चाहीं। 31काहेंकि तू एक-एक करके, परमेश्वर के ओर से बोल सकत बाड़ऽ, जवना से कि सब लोग सीखसु, अउर उनकर उत्साह बढ़े। 32नबियन के आत्मा, नबियन के वश में रहेलिसऽ। 33काहेंकि परमेश्वर अव्यवस्था ना, शांति देबेलन। जइसन कि, संतन के सब कलीसियन में होखेला।

34अउरतन के चाहीं, कि उ सभा में चुप रहसु, काहेंकि उनका बोले के आदेश नइखे। बल्कि जइसन कि व्यवस्था के विधान में कहल गइल बा, कि उनका दब के रहे के चाहीं। 35अगर उ कुछ जानल चाहत बाड़ी, तऽ उनका, घर पर अपना-अपना पति से, पूछे के चाहीं, काहेंकि एगो अउरत खातिर, ई शोभा ना देबेला, कि उ सभा में बोले।

36परमेश्वर के बचन, का तहरा से पैदा भइल? चाहे उ सिर्फ तहरे तक पहुँचल? एकदम ना। 37अगर केहू सोचत बा, कि उ नबी हऽ, चाहे ओकरा आध्यात्मिक बरदान हासिल बा, तऽ ओकरा पहिचान लेबे के चाहीं, कि हम तहरा के जवन कुछ लिख रहल बानी, उ प्रभु के आदेश बा। 38एह से, अगर एकरा के, केहू नइखे पहिचान पावत तऽ, ओकरा के भी ना पहिचानल जाई।

39एह से, हे हमार भाई लोग, परमेश्वर के ओर से बोले के तइयार रहऽ, अउर दोसरा भाषा में बोले वालन के भी, मति रोकऽ। 40बाकी ई सब बात, सही ढंग से, अउर व्यवस्था के मुताबिक कइल जाये के चाहीं।

यीशु के सुसमाचार

15 1हे भाई लोग, अब हम तहनी लोग के, ओह सुसमाचार के याद दिलावल चाहत बानी, जवना के हम तहरा के सुनवले रहनी, अउर तू भी जेकरा के ग्रहण कइले रहलऽ, अउर जवना में तू लगातार स्थिर बनल बाड़ऽ। 2अउर जेकरा जरिए, तहार उद्धार भी हो रहल बा, एह शर्त के साथ, कि तू ओह शब्दन के, जेकर हम तहरा आदेश दिहले रहनी, अपना में मजबूती से थाम के राखऽ। (नाहीं तऽ तोहार विश्वास धारण कइल ही बेकार चल गइल।)

3सबसे पहिले, जवन बात हमरा मालूम भइल रहे, ओकरा के हम तहरा तक पहुँचा दिहनी, कि शास्त्रन के मुताबिक:

मसीह हमनी के पाप खातिर मरलन, 4अउर उनका के दफना दिहल गइल। अउर शास्त्र कहत बा, कि फेरु तीसरा दिन, उनका के जिया के उठा दिहल गइल। 5अउर उ फेरु पतरस के सामने परगट भइलन, अउर ओकरा बाद बारहों प्रेरितन के, उ दरसन दिहलन। 6फेरु उ, पाँच सौ से ज्यादा भाइयन के, एक साथ दिखाई दिहलन। उनका में से बहुत, आज तक जीवित बाड़न। ओइसे कुछ के मौत भी हो चुकल बीया। 7एकरा बाद, उ याकूब के सामने, परगट भइलन। अउर तब, उ सब प्रेरितन के फेरु दरसन दिहलन। 8अउर सब से अंत में, उ हमरा के भी दरसन दिहलन। हम तऽ, समय से पहिले असामान्य जनमल, सतमासा बच्चा के जइसन बानी।

9काहेंकि हम तऽ प्रेरितन में सबसे छोट बानी। इहाँ तक कि, हम प्रेरित कहाये के लाएक भी नइखीं, काहेंकि हम तऽ परमेश्वर के कलीसिया के, सतावल करत रहनी। 10बाकी परमेश्वर के अनुग्रह से, हम ओइसन बनल बानी, जइसन आज बानी। हमरा पर उनकर अनुग्रह बेकार ना गइल। हम तऽ उनका सब से, बढ़ चढ़ के मेहनत कइले बानी। (हालाँकि उ मेहनत करे वाला हम ना रहनी, बल्कि परमेश्वर के उ अनुग्रह रहे, जवन हमरा साथ रहत रहे।) 11एह से चाहे तहरा के हम उपदेश दिहले होखीं, चाहे उ लोग, हमनी सब इहे उपदेश देबेनी जा, अउर एही पर तू विश्वास कइले बाड़ऽ।

हमनी के पुनर्जीवन

12बाकी, जब कि मसीह के मरल में से पुनरुत्थापित कइल गइल, तऽ तहनी में से कुछ, अइसन काहें कहत बाड़ऽ, कि मौत के बाद फेरु से जी उठल संभव नइखे। 13अउर अगर मरला के बाद जी उठे के हइए नइखे, तऽ फेरु मसीह भी, मुअला के बाद ना जिआवल गइलन। 14अउर अगर मसीह के ना जिआवल गइल, तऽ हमार उपदेश दिहल बेकार बा, अउर तोहार विश्वास भी बेकार बा। 15अउर हमहुँ तब तऽ परमेश्वर के बारे में, झूठा गवाह साबित होखत बानी, काहेंकि हमनी के परमेश्वर के सामने, कसम खा के ई गवाही दिहले बानी जा कि, उ मसीह के, मरल में से जिअवलन। बाकी उनका कहला के मुताबिक, अगर मुअल, जिआवल ना जालन, तऽ फेरु परमेश्वर मसीह के भी ना जिअवलन। 16काहेंकि अगर मुअल ना जिआवल जाले, तऽ मसीह के भी ना जिआवल गइल। 17अउर अगर मसीह के, फेरु से जिन्दा नइखे कइल गइल, तब तऽ तोहार विश्वास ही बेकार बा, अउर तू अभी भी, अपना पाप में फंसल बाड़ऽ। 18हँऽ, तब तऽ जे लोग मसीह खातिर आपन प्राण दे दिहलन, उ अइसहीं बेकार भइलन। 19अगर हमनी के सिर्फ आपन ई भौतिक जीवन खातिर ही, यीशु मसीह में आपन उम्मीद रखले बानी जा, तब तऽ हमनी के, अउर सब लोगन से ज्यादा अभागा बानी जा।

20बाकी अब असलियत ई बीया कि, मसीह के, मरल में से जिआवल गइल बा। उ मरल के फसह के, पहिला फल हवन। 21काहेंकि जब एगो मनुष्य के जरिए मौत आइल तऽ, मनुष्य के जरिए ही, मौत से पुनर्जीवित हो गइल भी आइल। 22काहेंकि ठीक ओइसही, जइसे आदम के कर्म के कारण, हर केहू खातिर मौत आइल, ओइसहीं मसीह के जरिए, सब के फेरु से जिआवल जाई 23बाकी हरेक के, ओकर आपन कर्म के मुताबिक, सबसे पहिले मसीह के, जे कि फसल के पहिला फल हवन, अउर फेरु, उनका फेरू से अइला पर उनका के, जे मसीह के हवन। 24एकरा बाद जब मसीह सब शासकन, अधिकारियन, हर तरह के शक्ति के अंत कर के, राज के परमपिता परमेश्वर के हाथ में सँउप दिहन, तब प्रलय हो जाई।

25बाकी जब तक परमेश्वर, मसीह के दुश्मन के, उनका गोड़ के नीचे ना कर देसु, तब तक उनकर राज करत रहल जरूरी बा। 26सबसे अंतिम शत्रु के रूप में, मौत के नाश कइल जाई। 27काहेंकि "परमेश्वर हर केहू के मसीह के चरण के अधीन रखले बाड़न।" अब देखऽ जब शास्त्र कहत बा, "सब कुछ" के, उनका अधीन कर दिहल गइल बा। तऽ जवन "सब कुछ" के, उनका चरण के अधीन कइले बा, उ अपने एकरा से अलग रहल बा। 28अउर जब सब कुछ, मसीह के अधीन कर दिहल गइल बा, तऽ इहाँ तक कि, खुद पुत्र के भी ओह परमेश्वर के अधीन कर दिहल जाई, जे कि सब कुछ मसीह के अधीन कर दिहलन, कि हर केहू पर, पूरा तरह से परमेश्वर के शासन होखे।

29नाहीं तऽ, जे आपन प्रान दे दिहले बाड़न उनका कारण जे बपतिस्मा लिहले बाड़न, उ का करिहें। अगर मरल, कभी पुनर्जीवित होइबे ना करेलन, तऽ लोगन के उनका खातिर बपतिस्मा दिहले काहें खातिर जाला?

30अउर हमनी के भी, हर समय संकट काहें झेलत रहत बानी जा? 31भाई लोग। तहरा खातिर हमार उ अभिमान, जेकरा के हम, हमनी के प्रभु यीशु मसीह में रहे के नाते राखेनी, ओकरा के साक्षी करके, शपथ के साथ कहत बानी कि, हम हर दिन मरेनी। 32अगर हम इफ्रिसुस में, जंगली जानवरन के साथ, मानव स्तर पर ही लड़ल रहनी, तऽ ओकरा से हमरा का मिलल। अगर मरल, जिआवल ना जाले, "तऽ आवऽ, खाईं जा, पीहीं जा। (मउज मनाईं जा) काहेंकि, कल तऽ मरिए जाए के बा।"

33भटकल बंद करऽ: "खराब संगति से, नीमन आदत नष्ट हो जालीसऽ।" 34होश में आवऽ, नीमन जीवन अपनावऽ, जइसन कि तहरा होखे के चाहीं। पाप कइल बंद करऽ। काहेंकि, तहरा में से कुछ तऽ अइसन बाड़न, जे परमेश्वर के बारे में कुछ भी नइखन जानत। हम ई एह से कहि रहल बानी, कि तहरा लाज लागे।

हमनी के कइसन देह मिली?

35बाकी केहू पूछ सकत बा, “मुअल, कइसे जिआवल
जाले? अउर फेरु, उ कइसन देह धरि के आवेलन?” 36तू
कतना मूरख बाड़ऽ। तू जवन बोवेलऽ, उ जब तक पहिले
मरि ना जाला, जीवित ना होखेला। 37अउर जहाँ तक जवन
तू बोवेलऽ, ओकर सवाल बा, तऽ जवन पौधा बढ़ेला, तू
ओह भरपूर पौधा के, तऽ धरती में ना बोवेलऽ। बस खाली
बीज बोवेलऽ, चाहे उ गेहूँ के दाना होखे, अउर चाहे कुछ
अउर। 38फेरु परमेश्वर, जइसन चाहत बाड़न, ओइसन
रूप ओकरा के देबेलन। हरेक बीज के, उ ओकर आपन
शरीर, देबेलन। 39सब जिन्दा प्राणी के शरीर, एक जइसन
ना होखेला। मनुष्य के शरीर, एक तरह के होखेला, जबकि
जानवरन के शरीर, दोसर तरह के। चिड़िया सब के देह,
अलग किसिम के होखेलिसऽ, अउर मछली सब के अलग।
40कुछ देह दिव्य होखेलिसऽ, अउर कुछ माटी के, बाकी
दिव्य देह के चमक एक तरह के होखेले, अउर माटी के शरीर
के, दोसरा तरह के। 41सूरज के तेज एक तरह के होखेला,
अउर चाँद के, दोसर तरह के। तारा में भी, एगो अलग
किसिम के अंजोर रहेला। अउर हँऽ, तारा सबके अंजोर भी,
एक-दूसरा से अलग रहेला।

42एह से जब मरल सब जी उठिहन, तबहुँ अइसहीं होई।
उ देह, जेकरा के धरती में दफना के “बोअल” गइल बा,
नाशवान बीया, बाकी उ देह, जेकर पुनरूत्थान भइल बा,
अविनाशी बा। 43उ काया, जेकरा के धरती में “दफनावल”
गइल बा, अनादर से भरल बा, बाकी उ शरीर, जेकर
पुनरूत्थान भइल बा, महिमा से मंडित बा। उ काया, जेकरा
के धरती में “गाड़ल” गइल बा, कमजोर बीया, बाकी उ
काया, जेकरा के पुनर्जीवित कइल गइल बा, शक्तिशाली
बीया। 44जवना शरीर के, धरती में “दफनावल” गइल बा,
उ कुदरती हऽ, बाकी जेकरा के पुनर्जीवित कइल गइल बा,
उ आध्यात्मिक शरीर हऽ।

अगर कुदरती शरीर होखेलेसऽ, तऽ आध्यात्मिक शरीर के
भी अस्तित्व बा। 45शास्त्र कहत बा: “पहिला मनुष्य (आदम)
एगो जिन्दा प्राणी बनल।” बाकी अंतिम आदम (मसीह)
जीवन देबे वाली आत्मा बनल। 46आध्यात्मिक पहिले ना
आवेला, बल्कि पहिले आवेला भौतिक, अउर ओकरा बाद ही
आवेला आध्यात्मिक। 47पहिले मनुष्य के धरती के, माटी से
बनावल गइल, अउर दूसर मनुष्य (मसीह) स्वर्ग से आइल।
48जइसे ओह मनुष्य के रचना, माटी से भइल, ओइसहीं सब
लोग, माटी से ही बनल। अउर ओह दिव्य पुरूष के जइसन,
दोसर दिव्य पुरूष भी स्वर्गीय बाड़न। 49एह से, जइसे हमनी
के माटी से बनला के रूप, धारण करेनी जा, ओइसहीं ओह
स्वर्गिक के रूप भी हमनी के धारण करब।

50हे भाई लोग, हम तहरा के ई बता रहल बानी, कि: मांस
अउर लहू (हमनी के ई माटी के शरीर) परमेश्वर के राज
के उत्तराधिकार, नइखन पा सकत। अउर ना ही, जे विनाश
होखे वाला बा, उ विनाश ना होखे वाला के, उत्तराधिकारी हो
सकत बा। 51सुनऽ, हम तहरा के, एगो रहस्य से भरल सच्चाई
बतावत बानी: हमनी सब मरब जा नाऽ, बल्कि हमनी सब,
बदल दिहल जाइब जा। 52जब आखिरी तुरही बाजी, तब
पलक झपकते, एक ही क्षण में अइसन हो जाई, काहेंकि तुरही
बाजी, अउर मरल सब अमर होके जी उठिहन, अउर हमनी के
अभी जे जिन्दा बानी जा, बदल दिहल जाइब जा। 53काहेंकि,
एह नाशवान देह के, अविनाशी चोला के, धारण कइल जरूरी
बा, अउर एह मरेवाली देह के, अमर चोला के धारण कइल
जरूरी बा। 54एह से, जब ई नाशवान देह, अविनाशी चोला
के धारण कर लीही, अउर उ मरेवाली काया, अमर चोला के
अपना लीही, तऽ शास्त्र के लिखल ई पूरा हो जाई:

> “जीत, मौत के घोंट गइल बीया।” *यशायाह 25:8*

55 “हे मौत, तहार जीत कहाँ बीया? ओ मौत, तहार
डंक कहाँ बा?” *होशे 13:14*

56पाप, मौत के डंक हऽ, अउर पाप के शक्ति मिलेले
व्यवस्था से। 57बाकी परमेश्वर के धन्यवाद बा, जे कि प्रभु
यीशु मसीह के जरिए, हमनी के जीत दिलावेला।

58एह से हमार प्यारा भाई लोग, अटल बनि के डटल
रहऽ। प्रभु के काम खातिर, अपने आपके, हमेशा पूरा तरह
से संउप दऽ। काहेंकि, तू तऽ जानते बाड़ऽ, कि प्रभु में कइल
गइल तोहार काम, बेकार नइखे।

दोसर विश्वासियन खातिर उपहार

16 1अब देखऽ, संतन खातिर, दान जुटावे के बारे में,
हम गलातिया के कलीसियन के, जवन आदेश
दिहले बानी, तू भी ओइसहीं करऽ। 2हर रविवार के, अपना
आमदनी में से, कुछ ना कुछ अपना घर पर ही इकट्ठा करत
रहऽ। जवना से कि, जब हम आईं, ओह समय दान, इकट्ठा
ना करे के पड़े। 3हमरा ओइजा पहुँचला पर, जवन कवनो
आदमी के तू चहबऽ, हम ओकरा के, परिचय पत्र देके, तहार
उपहार, यरूशलेम ले जाए खातिर भेज देब। 4अउर अगर
हमार गइल भी सही भइल, तऽ उ हमरा साथे चल जइहें।

पौलुस के योजना

5हम जब मकिदुनिया होके जाइब, तऽ तहरा पास भी आइब,
काहेंकि मकिदुनिया से होत जाए के कार्यक्रम, हम तय कर
चुकल बानी। 6हो सकत बा, कि हम कुछ दिन तहरा संगे
ठहरीं, चाहे जाड़ा तहरा साथ बिताईं, कि जहँवा हमरा कहीं

जाए के होखे, तऽ तू हमरा के विदा कर सकऽ। 7हम ई तऽ नइखीं चाहत कि ओइजा से जाते जात बस तहरा से मिल लीहीं, बल्कि हमरा तऽ उम्मीद बा कि हम, अगर प्रभु के मरजी होई तऽ, कुछ दिन तहरा साथ रहब भी। 8हम पिन्तेकुस्त के उत्सव तक इफिसुस में ही रूकब।

9काहेंकि, ठोस काम करे के उम्मीद के, एगो बहुत बड़ा दरवाजा ओइजा खुला बा, अउर फेरु, ओइजा हमार बिरोधी भी तऽ ढेर बाड़न।

10अगर तिमुथियुस आ गइले, तऽ ध्यान रखिहऽ, कि उनका तहरा साथ कष्ट मति होखे, काहेंकि हमरे जइसन, उ भी प्रभु के काम कर रहल बाड़न। 11एह से केहू, उनका के छोट मति समुझे। उनका के, उनकर यात्रा पर, शांति के साथ विदा करिहऽ, जवना से कि, उ हमरा पास आ जासु। हम दोसर भाई लोग के साथ, उनकर आवे के इंतजार कर रहल बानी।

12अब हमनी के भाई, अपुल्लौस के बात ई बा कि, हम उनका के दोसर भाई लोग के साथ, तहरा पास जाये खातिर, खूब हिम्मत बढ़वले बानी। बाकी परमेश्वर के ई इच्छा बिल्कुल ना रहे, कि उ अभी तहरा पास अइतन। एह से मौका मिलते ही, उ आ जइहें।

पौलुस के पत्र के अंत

13सावधान रहऽ। मजबूती के साथ अपना विश्वास में, अटल बनल रहऽ। साहसी बनऽ। शक्तिशाली बनऽ। 14तू जवन भी कुछ करऽ प्रेम से करऽ।

15तू लोग, स्तिफनुस के घराना के तऽ जानते बाड़ऽ कि उ लोग अखाया के फसल के, पहिला फल हवन। उ लोग परमेश्वर के पुरूषन के सेवा के बीड़ा उठवले बाड़न। एह से भाई लोग। तहरा से हमार निहोरा बा, कि 16तू लोग भी अपने आप के, अइसन लोगन के, अउर हर ओह आदमी के अगुआई में संउप दऽ, जे एह काम से जुड़त बा, अउर प्रभु खातिर परिश्रम करत बा।

17स्तिफनुस, फुरतुनातुस अउर अखइकुस के हाजिरी से, हम खुश बानी। काहेंकि हमरा खातिर, जवन तू ना कर सकलऽ, ओकरा के उ लोग कर दिहलन। 18उ लोग हमार, अउर तोहार आत्मा के, आनन्दित कइले बा लोग। एह से अइसन लोगन के, सम्मान करऽ।

19एशिया प्रांत के कलीसियन के ओर से, तहरा के प्रभु में नमस्कार। अक्विला अउर प्रिस्किल्ला। उनका घर पर जुटे वाली, कलीसिया के ओर से, तहरा के हार्दिक नमस्कार। 20सब बंधु के ओर से, तहरा के नमस्कार। पवित्र चुंबन के साथ, तू लोग आपस में, एक दोसरा के सत्कार करऽ।

21हम पौलुस, तहरा के अपना हाथ से, नमस्कार लिख रहल बानी।

22अगर केहू प्रभु में, प्रेम ना राखे तऽ, ओकरा सराप मिले!
हे प्रभु, आवऽ![a]

23प्रभु यीशु के अनुग्रह, तहरा हासिल होखे।

24यीशु मसीह में, तहरा खातिर, हमार प्रेम सबके साथ रहे।

---

[a] ***16:22*** **हे प्रभु, आवऽ** अरामिक भाषा में "मारानाथा।"